



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-27062022-236832
CG-DL-E-27062022-236832

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 322]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 24, 2022/आषाढ़ 3, 1944

No. 322]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 24, 2022/ASHADHA 3, 1944

भारतीय उपचर्या परिषद्

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 जून, 2022

भारतीय उपचर्या परिषद् (क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा – आवासीय कार्यक्रम)
विनियम, 2022

फा.सं. 11-1/2022-आईएनसी.—समय-समय पर यथासंशोधित भारतीय उपचर्या परिषद् अधिनियम, 1947 (1947 का XLVIII) की धारा 16(1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय उपचर्या परिषद् एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, यथा :-

1. लघु शीर्षक और प्रवर्तन

- ये विनियम भारतीय उपचर्या परिषद् (क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा – आवासीय कार्यक्रम) विनियम, 2022 कहे जायेंगे।
- ये विनियम भारत के राजपत्र में इनकी अधिसूचना की तिथि से प्रभावी होंगे।

2. परिभाषाएं

इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,

- 'अधिनियम' का अभिप्राय समय-समय पर यथासंशोधित भारतीय उपचर्या परिषद् अधिनियम, 1947 (1947 का XLVIII) से है;
- 'परिषद्' का अभिप्राय अधिनियम के तहत गठित भारतीय उपचर्या परिषद् से है;
- 'एसएनआरसी' का अभिप्राय संबंधित राज्य सरकारों द्वारा किसी भी नाम से गठित राज्य उपचर्या एवं प्रसाविका पंजीकरण परिषद् से है;

- iv. 'आरएन एंड आरएम' का अभिप्राय एक पंजीकृत उपचर्या एवं पंजीकृत प्रसाविका (आरएन एंड आरएम) से है और एक ऐसे नर्स को दर्शाता है जिसने मान्यता प्राप्त नर्सिंग स्नातक (बी.एससी. नर्सिंग) या डिप्लोमा इन जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम) पाठ्यक्रम, जैसा कि परिषद् द्वारा निर्धारित किया गया हो, सफलतापूर्वक पूरा कर लिया हो और किसी एक एसएनआरसी में पंजीकृत उपचर्या एवं पंजीकृत प्रसाविका के रूप में पंजीकृत हो;
- v. 'नर्स पंजीकरण एवं ट्रेकिंग प्रणाली (एनआरटीएस)' का अभिप्राय भारतीय उपचर्या परिषद् द्वारा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), भारत सरकार के सहयोग से विकसित सॉफ्टवेयर प्रणाली से है, जिसे भारतीय उपचर्या रजिस्टर के रखरखाव व संचालन के लिये एनआईसी द्वारा होस्ट किया गया है। इसमें पंजीकृत उपचर्या एवं पंजीकृत प्रसाविका (आरएन एंड आरएम)/पंजीकृत सहायक नर्स मिडवाइफ (आरएनएम)/पंजीकृत महिला स्वास्थ्य परिदर्शिका (आरएलएचवी) के आंकड़ों के संग्रह के लिये 'आधार' बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण पर आधारित मानकीकृत प्रारूप हैं;
- vi. 'एनयूआईडी' का अभिप्राय एनआरटीएस द्वारा प्रत्याशी को दिया जाने वाला नर्सिंग यूनिफ़ॉर्म आइडेंटिफिकेशन नम्बर से है;
- vii. 'जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम)' का अभिप्राय परिषद् द्वारा अधिनियम की धारा 10 के तहत स्वीकृत तथा अधिनियम की अनुसूची के भाग-1 में शामिल डिप्लोमा इन जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी प्रशिक्षण से है।

क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा – आवासीय कार्यक्रम

I. प्रस्तावना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति दस्तावेज (एनएचपी, 2017) में तृतीयक देखभाल सेवाओं का विस्तार करने, विशेषज्ञ नर्स तैयार करने और नर्सों के लिये नैदानिक प्रशिक्षण के मानकीकरण पर जोर दिया गया है। इसके प्रत्युत्तर स्वरूप, परिषद् ने मौजूदा विशिष्ट नर्सिंग कार्यक्रम को योग्यता पर आधारित प्रशिक्षण दृष्टिकोण अपनाते हुए एक-वर्षीय पोस्ट बेसिक डिप्लोमा आवासीय कार्यक्रमों के रूप में परिवर्तित करने की योजना बनाई है। परिषद् के क्रिटिकल केयर नर्सिंग में मौजूदा एक वर्षीय पोस्ट बेसिक डिप्लोमा कार्यक्रम को संशोधित दिशानिर्देशों के अनुरूप आवासीय कार्यक्रम के रूप में पुनः विकसित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य ऐसे क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ नर्स तैयार करना है जो गंभीर रूप से बीमार रोगियों जिनकी नैदानिक, उपचारात्मक और देखभाल की आवश्यकतायें जटिल होती हैं, को संस्थागत स्तर पर सक्षम देखभाल प्रदान कर सकें।

क्रिटिकल केयर औषधियां तेजी से विकसित हुई हैं, उसके साथ-साथ नर्सिंग में भी तेजी से प्रगति हुई है। उभरते हुए आघात परिदृश्य और सामूहिक प्रकृति की आपदा घटनाएं व्यक्ति के जीवन के साथ-साथ परिवार एवं सामाजिक व्यवस्था पर अत्यधिक दबाव डाल रही हैं। यह जन समुदाय के सभी स्तरों को प्रभावित करता है। स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के लिये ऐसी जरूरतों की विशेष तरीकों से पूर्ति करना आवश्यक है।

क्रिटिकल केयर नर्सिंग एक ऐसी उभरती हुई विशेषता है जो गंभीर रूप से बीमार रोगियों की देखभाल करने में नर्सों के कौशल पर जोर देती है। गहन देखभाल की आवश्यकता वाले रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इन रोगियों की देखभाल के लिये नर्सों को कुशल और सक्षम होने की आवश्यकता है। आपातकालीन स्थिति के दौरान रोगियों को संभालने के लिये नर्सों के लिये वायुमार्ग, श्वास और परिसंचरण के प्रबंधन में उन्नत कौशल अनिवार्य है। रोगियों की बेहतर गुणवत्तापूर्वक देखभाल के लिये रोगी की पोषण, संचार, जीवन की अंतःकालीन देखभाल आदि जैसी जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। पारिवारिक देखभाल भी एक ऐसा अन्य प्रमुख घटक है जिसे कभी-कभी उपेक्षित कर दिया जाता है। क्रिटिकल केयर क्षेत्र में काम करने वाली नर्स को भावनात्मक तथा सामाजिक पहलुओं के संदर्भ में परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिये परामर्श कौशल से लैस किया जाना चाहिए। गंभीर रूप से बीमार रोगियों के प्रभावी प्रबंधन में क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ नर्सों एक बड़ी भूमिका निभाती हैं।

II. दर्शन

परिषद् का मानना है कि पंजीकृत नर्सों को अभ्यास के विभिन्न नये विशिष्ट क्षेत्रों में कार्य करने के लिये विशेषज्ञ नर्सों के रूप में आगे प्रशिक्षित होने की आवश्यकता है और यह प्रशिक्षण योग्यता पर आधारित होना चाहिये। क्रिटिकल केयर नर्सिंग, विशेषज्ञ नर्सों की जरूरत वाला एक ऐसा ही एक क्षेत्र है। तकनीकी के साथ-साथ क्रिटिकल केयर नर्सिंग में हुई प्रगति और

नर्सों की बढ़ती भूमिकाओं के मद्देनजर गंभीर रूप से बीमार रोगियों को सक्षम, कुशल और उचित देखभाल प्रदान करने के लिये नर्सों को विशेष कौशल और जानकारी प्रदान करने के लिये अतिरिक्त प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है।

III. पाठ्यक्रम संरचना

क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा एक एक-वर्षीय आवासीय कार्यक्रम है और इस पाठ्यक्रम की अवधारणा में अभ्यास के अलावा मूलभूत लघु पाठ्यक्रम और विशिष्ट नर्सिंग अभ्यासों के लिये बृहद विशिष्ट पाठ्यक्रम सम्मिलित किये गये हैं।

व्यावसायिक कुशलता, संवाद, रोगी प्रशिक्षण तथा परामर्श, नैदानिक नेतृत्व तथा संसाधन प्रबंधन, और साक्ष्य आधारित तथा अनुप्रयुक्त शोध, क्रिटिकल केयर नर्सिंग अभ्यास के मूलभूत लघु पाठ्यक्रम हैं, जिनका लक्ष्य छात्रों को जवाबदेह, कुशल और सक्षम विशेषज्ञ नर्स की तरह कार्य करने की आवश्यक जानकारी, दृष्टिकोण एवं दक्षता प्रदान करना है। प्रमुख विशिष्ट पाठ्यक्रमों को क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग-I और क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग-II के तहत सुनियोजित किया गया है। क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग-I में क्रिटिकल केयर नर्सिंग का संदर्भ/परिचय और क्रिटिकल केयर नर्सिंग में प्रयुक्त सामान्य विज्ञान (क्रिटिकल केयर नर्सिंग स्पेशियलिटी के अंतर्गत आने वाली नैदानिक परिस्थितियों के निदान, उपचार और देखभाल में सामान्य विज्ञान की जानकारी का उपयोग) शामिल हैं। क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग-II में विशिष्ट नैदानिक परिस्थितियों का नर्सिंग प्रबंधन शामिल है, जिसमें मूल्यांकन, निदान, उपचार और विशिष्ट मध्यवर्तन तथा रोगी की सुरक्षा और गुणवत्ता तथा साथ ही बीमारी की विशिष्ट क्षतिपूर्ति सम्मिलित हैं। इस आवासीय कार्यक्रम के पाठ्यक्रम की संरचना निम्नलिखित चित्र-1 में दर्शाई गई है।

क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा – आवासीय कार्यक्रम

क्रिटिकल केयर नर्सिंग पाठ्यक्रम के मूल स्पेशियलिटी पाठ्यक्रम

(क्रिटिकल

केयर)

नर्सिंग



चित्र-1. क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग – आवासीय कार्यक्रम की पाठ्यक्रम संरचना

IV. उद्देश्य/अभिप्राय और कार्यनिर्वाह क्षमताएं

उद्देश्य

इस कार्यक्रम को विशेष कौशल, जानकारी और प्रवृत्ति वाले ऐसे नर्स तैयार करने के लिये बनाया गया है जो तृतीयक/चतुर्थक अस्पतालों में गंभीर रूप से बीमार रोगियों को उच्च-स्तरीय गुणवत्तापरक देखभाल प्रदान कर सकें। इसका उद्देश्य तकनीकी रूप से योग्य और प्रशिक्षित क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ नर्स तैयार करना है जो गंभीर रूप से बीमार रोगियों की देखभाल का प्रबंधन और पर्यवेक्षण कर सकेंगे और स्वास्थ्य देखभाल दल के सदस्यों के प्रशिक्षण और बेहतर देखभाल के लिये साक्ष्य पेश करने हेतु शोध करने में योगदान दे सकेंगे।

कार्यनिर्वाह क्षमताएं

कार्यक्रम के पूरा होने पर, क्रिटिकल केयर स्पेशियलिस्ट नर्स निम्नांकित कार्य करने में सक्षम होंगे:—

1. क्रिटिकल केयर नर्सिंग अभ्यास में परिषद् के मानकों के अनुसार सदाचारी, परोपकारी, कानूनी, नैतिक, विनियामक और मानवतावादी सिद्धांतों के अनुरूप नर्सिंग देखभाल प्रदान करने में पेशेवर जवाबदेही प्रदर्शित करना।
2. रोगियों, परिजनों और व्यावसायिक सहयोगियों के साथ प्रभावी ढंग से बातचीत करना जिससे आपस में सम्मान की भावना को बढ़ावा मिले और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाने के साझा निर्णय लिये जा सकें।
3. उपचार और देखभाल में रोगियों तथा परिजनों की प्रभावी रूप से भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये उन्हें प्रशिक्षित करना और परामर्श देना तथा संकट एवं वियोग की परिस्थिति में उनकी मुकाबला करने की क्षमता में वृद्धि करना।
4. नैदानिक नेतृत्व तथा संसाधन प्रबंधन रणनीतियों की समझ का प्रदर्शन करना और सहयोगी तथा प्रभावी दलीय कार्य को बढ़ावा देने के लिये क्रिटिकल केयर समायोजन में उनका उपयोग करना।
5. क्रिटिकल केयर नर्सिंग अभ्यास में व्यावहारिक निर्णय लेने के लिये नैदानिक विशेषज्ञता और रोगी की वरीयताओं के लिहाज से, अनुभव और मूल्यों के साथ नाजुक देखभाल और उपचार में सामयिक सर्वोत्तम प्रमाणों की पहचान, मूल्यांकन और उपयोग करना।
6. ऐसे शोध अध्ययनों में भाग लेना, जो शोध प्रक्रिया की मूलभूत समझ के साथ साक्ष्य-आधारित क्रिटिकल केयर नर्सिंग मध्यवर्तन में योगदान करते हैं।
7. गंभीर रूप से बीमार रोगियों तथा उनके परिजनों की दैहिक, शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक समस्याओं के आंकलन, निदान और उपचार में सामान्य विज्ञान को अपनाना।
8. बुनियादी और उन्नत जीवन समर्थन में कौशल का प्रदर्शन।
9. गंभीर रूप से बीमार रोगियों की देखभाल में नर्सिंग प्रक्रिया को अपनाना।
10. गंभीर रूप से बीमार रोगियों को विभिन्न उपचार व्यवस्थाओं के तहत देखभाल प्रदान करने में प्रासंगिक विशिष्ट अभ्यास दक्षताओं/कौशल का प्रदर्शन करना।
11. संक्रमण नियंत्रण और रोगी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करना।
12. क्रिटिकल केयर इकाईयों में नैदानिक परीक्षण करना और गुणवत्ता आश्वासन गतिविधियों में भाग लेना।
13. उपचार से संबंधित प्रतिकूल प्रभावों और आपात स्थितियों की पहचान करना तथा उनकी प्रभावी ढंग से देखभाल करना।
14. सभी प्रकार की औषधियों की खरीद, भंडारण, देना और रखरखाव की विधि को समझना और सार्थक अभ्यास का प्रदर्शन करना।
15. वैयक्तिक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जरूरतों और मतभेदों का सम्मान करते हुए आराम और गरिमा को बढ़ावा देने वाली जीवन के अंतकाल में देखभाल पर जोर देने के साथ रोगियों को उपशामक देखभाल प्रदान करना।
16. विभिन्न प्रकार के नर्सिंग कर्मियों के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।
17. साक्ष्य आधारित क्रिटिकल केयर नर्सिंग अभ्यास को बढ़ावा देने के लिये शोध कार्यों में भाग लेना।

V. कार्यक्रम का विवरण और अभ्यास का क्षेत्र

क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा एक एक-वर्षीय आवासीय कार्यक्रम है जिसे गंभीर रूप से बीमार रोगियों और उनके परिवारीजनों को अग्रणी गुणवत्ता देखभाल प्रदान करने के लिये विशेष जानकारी, कौशल और प्रवृत्ति वाले पंजीकृत नर्स (जीएनएम या बी.एससी.) तैयार करने के लिये बनाया गया है। योग्यता-आधारित प्रशिक्षण पर मुख्य ध्यान देने के साथ प्रासंगिक सिद्धांत के साथ नैदानिक योग्यता पर जोर दिया गया है। सैद्धांतिक प्रशिक्षण में प्रायोगिक पाठ्यक्रम के अलावा मूलभूत पाठ्यक्रम और विशेष पाठ्यक्रम शामिल हैं। इसका 10 प्रतिशत भाग सैद्धांतिक और 90 प्रतिशत भाग प्रायोगिक (नैदानिक एवं प्रयोगशाला) अभ्यास है।

कार्यक्रम के पूरा होने पर प्रमाणपत्र मिलने और संबंधित एसएनआरसी में अतिरिक्त योग्यता के रूप में पंजीकृत होने पर, क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ नर्सों को केवल मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पतालों की क्रिटिकल केयर इकाईयों में नियुक्त किया जाना

चाहिये। वे कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षित दक्षताओं, विशेष रूप से परिषद् के पाठ्यक्रम की लॉग बुक में निर्धारित विशिष्ट प्रक्रियात्मक दक्षताओं/नैदानिक कौशल के अनुसार अभ्यास करने में सक्षम होंगे। विशेषज्ञ नर्सों को संबंधित संस्थानों द्वारा संस्थागत प्रोटोकॉल के अनुसार उन विशिष्ट प्रक्रियात्मक दक्षताओं का अभ्यास करने का विशेषाधिकार दिया जा सकता है। विशेषज्ञ नर्स संवर्ग/पदों का सृजन सरकारी/सार्वजनिक और निजी सभी क्षेत्रों में किया जाना चाहिये। यह डिप्लोमा परिषद् द्वारा अनुमोदित संबंधित परीक्षा बोर्ड/एसएनआरसी/विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया जायेगा।

VI. क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा – आवासीय कार्यक्रम प्रारंभ करने के लिये न्यूनतम अर्हताएं/दिशानिर्देश

कार्यक्रम का संचालन कहां-कहां किया जा सकता है –

1. नर्सिंग में डिग्री कार्यक्रम का संचालन करने वाले नर्सिंग कॉलेज जो न्यूनतम 200 शैय्या वाले अपने स्वयं के ऐसे विशिष्ट अस्पताल/तृतीयक अस्पताल से संबद्ध हों जिनमें गंभीर परिस्थितियों वाले रोगियों को प्रभावी देखभाल प्रदान करने के लिये उन्नत नैदानिक, चिकित्सीय तथा अत्याधुनिक क्रिटिकल/गहन देखभाल इकाइयों के साथ इष्टतम निगरानी एवं जीवन समर्थन उपकरण/सुविधाएं और विशेष नर्सिंग देखभाल सुविधाएं उपलब्ध हों।

अथवा

क्रिटिकल केयर में डीएनबी/फैलोशिप कार्यक्रम का संचालन करने वाले अस्पताल, जिनमें गंभीर परिस्थितियों वाले रोगियों को प्रभावी देखभाल प्रदान करने के लिये उन्नत नैदानिक, चिकित्सीय तथा अत्याधुनिक क्रिटिकल केयर/गहन देखभाल इकाइयों के साथ इष्टतम निगरानी एवं जीवन समर्थन उपकरण/सुविधाएं और विशेष नर्सिंग देखभाल सुविधाएं उपलब्ध हों।

2. उपरोक्त पात्र संस्थान को संबंधित एसएनआरसी से विशेष शैक्षणिक वर्ष के लिये क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा कार्यक्रम प्रारंभ करने के लिये मान्यता लेनी होगी, जोकि एक अनिवार्य आवश्यकता है।
3. परिषद् द्वारा उपरोक्त दस्तावेजों/प्रस्तावों की प्राप्ति के पश्चात मान्यता प्राप्त नर्सिंग प्रशिक्षण संस्थान का अधिनियम के प्रावधानों के तहत बनाये गये विनियमों के अनुरूप अध्यापन संकाय और नैदानिक एवं मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में उपयुक्तता का आंकलन करने के लिये अधिनियम की धारा 13 के तहत वैधानिक निरीक्षण किया जायेगा।

1. नर्सिंग शिक्षण संकाय

- a. 1:10 के अनुपात में पूर्णकालिक शिक्षण संकाय।
- b. शिक्षण संकाय में न्यूनतम दो सदस्य होने चाहिये।
- c. योग्यता एवं संख्या:
 - i. मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग/क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग में एम.एससी. नर्सिंग/एनपीसीसी – 1 (क्रिटिकल केयर नर्सिंग में एम.एससी. अथवा एनपीसीसी को वरीयता दी जायेगी)
 - ii. बेसिक बी.एससी. नर्सिंग/पी.बी.बी.एससी. नर्सिंग के साथ क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा – 1
- d. अनुभव: क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग में न्यूनतम तीन वर्ष का नैदानिक अनुभव।
- e. अतिथि संकाय: संबंधित विशिष्टताओं में बहु-विषयक।
- f. प्रीसेप्टर:
 - नर्सिंग प्रीसेप्टर: क्रिटिकल/गहन देखभाल इकाई में पूर्णकालिक जी.एन.एम. के साथ क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग में छः वर्ष का अनुभव, या बी.एससी. नर्सिंग के साथ क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग में दो वर्ष का अनुभव, या एम.एससी. नर्सिंग के साथ क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग में एक वर्ष का अनुभव।
 - मेडिकल प्रीसेप्टर: स्नातकोत्तर योग्यता प्राप्त विशेषज्ञ (इंटेंसिविस्ट) डॉक्टर (स्नातकोत्तर योग्यता प्राप्त करने के बाद तीन वर्ष का अनुभव/संकाय स्तर अथवा सलाहकार स्तर वालों को वरीयता दी जायेगी)।
 - प्रीसेप्टर छात्र अनुपात: नर्सिंग में 1:10, मेडिकल में 1:10 (प्रत्येक छात्र एक मेडिकल प्रीसेप्टर और एक नर्सिंग प्रीसेप्टर से संबद्ध होना चाहिये)।

2. बजट

संस्थान के कुल बजट में इस कार्यक्रम के लिये आवश्यक कर्मचारियों के वेतन, अतिथि संकाय और अंशकालिक शिक्षकों के लिये मानदेय, लिपिकीय सहायता, पुस्तकालयी और आकस्मिक व्यय के लिये प्रावधान होना चाहिये।

3. अस्पताल/कॉलेज में भौतिक और शिक्षण सुविधाएं

- a. नैदानिक क्षेत्र में एक अध्ययन कक्ष/सम्मेलन कक्ष।

- b. अस्पताल/कॉलेज में कृत्रिम अध्ययन (सिम्युलेटेड लर्निंग) के लिये कौशल प्रयोगशाला। **कौशल प्रयोगशाला हेतु आवश्यक वस्तुओं की सूची परिशिष्ट-1 में दी गई है।**
- c. ऑनलाइन पत्रिकाओं तक पहुंच के साथ पुस्तकालय और कंप्यूटर सुविधाएं:

- i. कॉलेज में क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग, एनाटॉमी तथा फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, फार्माकोलॉजी, पैथोफिजियोलॉजी, नर्सिंग प्रशासन, नर्सिंग शिक्षा, नर्सिंग शोध और सांख्यिकी से संबंधित वर्तमान पुस्तकों, जर्नल और पत्रिकाओं से सुसज्जित पुस्तकालय होना चाहिये।

अथवा

क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग, एनाटॉमी तथा फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, फार्माकोलॉजी, पैथोफिजियोलॉजी, नर्सिंग प्रशासन, नर्सिंग शिक्षा, नर्सिंग शोध और सांख्यिकी से संबंधित वर्तमान पुस्तकों, जर्नल और पत्रिकाओं के लिये मेडिकल कॉलेज/अस्पताल के पुस्तकालय का उपयोग करने की अनुमति होनी चाहिये।

- ii. इंटरनेट की सुविधा के साथ कंप्यूटर।
- d. ई-लर्निंग सुविधाएं
- e. शिक्षण संसाधन – उपयोग करने हेतु निम्नांकित सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिये:
- i. ओवरहेड प्रोजेक्टर,
- ii. वीडियो देखने की सुविधा,
- iii. एलसीडी प्रोजेक्टर,
- iv. सीडी, डीवीडी और डीवीडी प्लेयर,
- v. कौशल अध्ययन के लिये उपयुक्त उपकरण, मैनीकिंस और सिमुलेटर्स।
- f. कार्यालयी सुविधाएं:
- i. लिपिक, चपरासी, सफाई कर्मचारी की सेवाएं।
- ii. कार्यालय, उपकरण और आपूर्ति की सुविधा, जैसे
- स्टेशनरी,
 - प्रिंटर के साथ कंप्यूटर,
 - जीरोक्स मशीन,
 - टेलीफोन एवं फैक्स।

4. नैदानिक सुविधाएं

- a. न्यूनतम 200 शैया वाले अपने स्वयं के ऐसे विशिष्ट अस्पताल/तृतीयक अस्पताल जिनमें गंभीर परिस्थितियों वाले रोगियों को प्रभावी देखभाल प्रदान करने के लिये उन्नत नैदानिक, चिकित्सीय तथा अत्याधुनिक क्रिटिकल/गहन देखभाल इकाइयों के साथ इष्टतम निगरानी एवं जीवन समर्थन उपकरण/सुविधाएं और विशेष नर्सिंग देखभाल सुविधाएं उपलब्ध हों।
- b. न्यूनतम 200 शैया वाले क्षेत्रीय केंद्र/क्रिटिकल केयर (कार्डिएक/कार्डियोथोरेसिक, मेडिकल, सर्जिकल, न्यूरो आईसीयू आदि) स्पेशियलिटी अस्पताल जिनमें गंभीर परिस्थितियों वाले रोगियों को प्रभावी देखभाल प्रदान करने के लिये उन्नत नैदानिक, चिकित्सीय तथा अत्याधुनिक क्रिटिकल/गहन देखभाल इकाइयों के साथ इष्टतम निगरानी एवं जीवन समर्थन उपकरण/सुविधाएं और विशेष नर्सिंग देखभाल सुविधाएं उपलब्ध हों।
- c. अस्पताल में उन्नत नैदानिक, चिकित्सीय और देखभाल सुविधाओं वाली न्यूनतम 20 सीसीयू/आईसीयू शैया उपलब्ध होनी चाहिये।
- d. इकाइयों में परिषद् द्वारा अनुशंसित मानदंडों के अनुरूप नर्स स्टाफ उपलब्ध होना चाहिये।
- e. छात्र रोगी अनुपात 1:1-2 होना चाहिये।

5. प्रवेश हेतु नियम व शर्त/प्रविष्टि अर्हताएं

इस कार्यक्रम में प्रवेश पाने वाले छात्र को,

- a. एनयूआईडी नंबर के साथ किसी एक एसएनआरसी में एक पंजीकृत नर्स (आरएन एंड आरएम) या समकक्ष होना चाहिये।

- b. नामांकन से पहले अधिमानतः क्रिटिकल केयर इकाई में स्टाफ नर्स के पद पर न्यूनतम एक वर्ष का नैदानिक अनुभव होना चाहिये।
- c. शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिये।
- d. चयन, आयोजित प्रवेश परीक्षा में अर्जित योग्यता और सक्षम अधिकारी द्वारा लिये गये साक्षात्कार के आधार पर होना चाहिये।
- e. अन्य देशों के नर्सों को प्रवेश से पहले परिषद् से समतुल्यता प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा।

6. सीटों की संख्या

200 शैय्या तथा 20 सीसीयू/आईसीयू शैय्या वाले अस्पताल के लिये सीटों की संख्या = 10-20,

500 या इससे अधिक शैय्या तथा 30 सीसीयू/आईसीयू शैय्या वाले अस्पताल के लिये सीटों की संख्या = 15-30.

7. अभ्यर्थियों की संख्या

1-2 विशिष्ट शैय्याओं के लिये 1 अभ्यर्थी।

8. वेतन

- a. सेवारत अभ्यर्थियों को नियमित वेतन मिलता रहेगा।
- b. अन्य अभ्यर्थियों को कार्यक्रम का संचालन करने वाले अस्पताल की वेतन संरचना के अनुसार वजीफा/वेतन मिलेगा।

VII. परीक्षा विनियम एवं प्रमाणीकरण

परीक्षा विनियम

परीक्षा संचालन एवं डिप्लोमा प्रदान करने वाले प्राधिकरण: परिषद् द्वारा अनुमोदित संबंधित परीक्षा बोर्ड/एसएनआरसी/विश्वविद्यालय।

1. परीक्षा में बैठने हेतु पात्रता

- a. उपस्थिति: सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक – 80 प्रतिशत। परन्तु प्रमाणपत्र मिलने से पहले 100 प्रतिशत नैदानिक उपस्थिति होना अनिवार्य है।
- b. लॉग बुक और नैदानिक आवश्यकताओं जैसी जरूरी आवश्यकताओं को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले अभ्यर्थी परीक्षा में बैठने के लिये पात्र होंगे और अंतिम परीक्षा में बैठ सकते हैं।

2. प्रायोगिक परीक्षा

- a. ओएससीई: आंतरिक और अंतिम परीक्षा दोनों में मौखिक परीक्षा के साथ-साथ वस्तुनिष्ठ संरचित नैदानिक परीक्षा (ओएससीई) आयोजित की जायेगी। (विस्तृत दिशानिर्देश मार्गदर्शन पुस्तिका में दिये गये हैं।)
- b. प्रायोगिक/नैदानिक अवलोकन: अंतिम आंतरिक और बाह्य परीक्षा में मौखिक परीक्षा के साथ-साथ वास्तविक परिस्थितियों में नैदानिक प्रदर्शन का आंकलन और 3-4 घंटे का लघु नैदानिक मूल्यांकन अभ्यास (नर्सिंग प्रक्रिया आवेदन और कार्यविधिक दक्षता का प्रत्यक्ष अवलोकन) भी शामिल होगा। नैदानिक क्षेत्र में आंकलन की न्यूनतम अवधि 5-6 घंटे होगी। (मूल्यांकन दिशानिर्देश मार्गदर्शन पुस्तिका में दिये गये हैं।)
- c. प्रति दिन छात्रों की अधिकतम संख्या = 10 छात्र।
- d. प्रायोगिक परीक्षा केवल नैदानिक क्षेत्र में ही आयोजित की जानी चाहिये।
- e. प्रायोगिक परीक्षक दल में, एक आंतरिक परीक्षक [संबंधित विशिष्ट कार्यक्रम में शिक्षण के 2 वर्ष के अनुभव के साथ एम.एससी. अर्हता धारक संकाय/स्नातकोत्तर के पश्चात 5 वर्ष के अनुभव के साथ एम.एससी. (मेडिकल सर्जिकल/क्रिटिकल केयर नर्सिंग/एनपीसीसी) अर्हता धारक संकाय], एक बाह्य परीक्षक – उपरोक्त अनुभव एवं अर्हता धारक नर्सिंग संकाय, और एक चिकित्सीय आंतरिक परीक्षक जो विशिष्ट कार्यक्रम के लिये प्रीसेप्टर होना चाहिये, शामिल होंगे।
- f. प्रायोगिक परीक्षक और सैद्धांतिक परीक्षक एक ही नर्सिंग संकाय होने चाहिये।

3. उत्तीर्णता मानक

- a. प्रत्येक अभ्यर्थी को उत्तीर्ण होने के लिये सैद्धांतिक और प्रायोगिक परीक्षा के आंतरिक आंकलन तथा बाह्य परीक्षा दोनों में मिलाकर न्यूनतम कुल 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। 60 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने पर अनुत्तीर्ण माना जायेगा।
- b. छात्र को उत्तीर्ण होने के लिये अधिकतम तीन (3) अवसर प्रदान किये जाएंगे।
- c. यदि छात्र सैद्धांतिक अथवा प्रायोगिक परीक्षा में से किसी एक में अनुत्तीर्ण हो जाता है, तो उसे सैद्धांतिक अथवा प्रायोगिक परीक्षा में से जिस में अनुत्तीर्ण हुआ है केवल वही परीक्षा पुनः देनी होगी।

प्रमाणीकरण

- शीर्षक** – क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा
- निर्धारित अध्ययन पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, परिषद् द्वारा अनुमोदित परीक्षा बोर्ड/एसएनआरसी/ विश्वविद्यालय द्वारा डिप्लोमा से सम्मानित किया जायेगा, जिसमें लिखा होगा कि,
 - अभ्यर्थी ने क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा – आवासीय कार्यक्रम के तहत पाठ्यक्रम के सभी पहलुओं का अध्ययन पूरा कर लिया है।
 - अभ्यर्थी ने सैद्धांतिक में 80 प्रतिशत और नैदानिक में 100 प्रतिशत अर्हताएं पूरी कर ली हैं।
 - अभ्यर्थी ने निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

VIII. परीक्षा प्रणाली

पाठ्यक्रम	आंतरिक आंकलन अंक	बाह्य आंकलन अंक	कुल अंक	परीक्षा अवधि घंटे
सैद्धांतिक (अनुभविक/आवासीय अध्ययन)				
क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग (भाग-I व भाग-II) {भाग-I – क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग I के साथ-साथ क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग अभ्यास के मूल, भाग-II – क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग II}	25 (10+15)	75 (35+40)	100	3
प्रायोगिक (क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग)				
<ul style="list-style-type: none"> मौखिक परीक्षा सहित वस्तुनिष्ठ संरचित नैदानिक परीक्षा (ओएससीई) पर्यवेक्षित प्रायोगिक/नैदानिक अवलोकन: मौखिक परीक्षा के साथ-साथ वास्तविक परिस्थितियों में प्रत्यक्ष अवलोकन – 3-4 घंटे का लघु नैदानिक मूल्यांकन अभ्यास (नर्सिंग प्रक्रिया आवेदन व कार्यविधिक दक्षता का प्रत्यक्ष अवलोकन) 	75 (25+50) (ओएससीई-25 एवं प्रायोगिक अवलोकन-50)	150 (50+100) (ओएससीई-50 एवं प्रायोगिक अवलोकन-100)	225	नैदानिक क्षेत्र में न्यूनतम 5-6 घंटे
कुल योग	100	225	325	

IX. कार्यक्रम की बनावट/संरचना

- अनुदेश पाठ-योजना
 - पाठ्यक्रम का कार्यान्वयन
 - नैदानिक अभ्यास (आवासीय पदस्थापन)
 - प्रशिक्षण विधियां
 - मूल्यांकन विधियां
 - लॉग बुक और नैदानिक अर्हताएं
- अध्ययन निपुणता (कौशल प्रयोगशाला अभ्यास) और अनुभवात्मक अध्ययन (नैदानिक अभ्यास) दृष्टिकोण अपनाते हुए अनुदेश पाठ-योजना

इकाई	पाठ्यक्रम	सैद्धांतिक (घंटे)	प्रयोगशाला/कौशल प्रयोगशाला (घंटे)	नैदानिक (घंटे)
I	क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग अभ्यास के मूल 1. व्यावसायिक कुशलता 2. विशिष्ट नर्सिंग कार्यक्रम में संवाद, रोगी शिक्षा व परामर्श 3. विशेष देखभाल परिस्थितियों में नैदानिक नेतृत्व और संसाधन प्रबंधन 4. विशिष्ट नर्सिंग कार्यक्रम में साक्ष्य आधारित और अनुप्रयुक्त शोध	40		
II	क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग पाठ्यक्रम क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग I 1. विशिष्ट नर्सिंग का संदर्भ/परिचय	50	10	

इकाई	पाठ्यक्रम	सैद्धांतिक (घंटे)	प्रयोगशाला/कौशल प्रयोगशाला (घंटे)	नैदानिक (घंटे)
	2. विशेष देखभाल में प्रयुक्त सामान्य विज्ञान – एनाटॉमी व फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, फार्माकोलॉजी व पैथोफिजियोलॉजी जैसी नैदानिक स्थितियों का निदान और उपचार क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग II 1. मूल्यांकन, निदान, उपचार और विशेष मध्यवर्तन के साथ नैदानिक परिस्थितियों में नर्सिंग प्रबंधन 2. रोगी सुरक्षा और गुणवत्ता 3. विशिष्ट/बीमारी विशिष्ट विवेचन (सहायक देखभाल/ प्रशामक देखभाल/पुनर्वास, व्यक्ति, परिवार और समुदाय पर बीमारी का प्रभाव)	110	30	1730
	कुल योग = 1970 घंटे	200 (5 सप्ताह)	40 (1 सप्ताह)	1730 (38 सप्ताह)

एक वर्ष में उपलब्ध कुल सप्ताह – 52 सप्ताह (सैद्धांतिक: 10 प्रतिशत एवं कौशल प्रयोगशाला + नैदानिक: 90 प्रतिशत)

- वार्षिक अवकाश + आकस्मिक अवकाश + अस्वस्थता अवकाश + सार्वजनिक अवकाश = 6 सप्ताह
- परीक्षा की तैयारी और परीक्षा = 2 सप्ताह
- सैद्धांतिक और प्रायोगिक = 44 सप्ताह

2. पाठ्यक्रम का कार्यान्वयन

ब्लॉक कक्षाएँ – 2 सप्ताह × 40 घंटे प्रति सप्ताह = 80 घंटे;

आवासीय – 42 सप्ताह × 45 घंटे प्रति सप्ताह = 1890 घंटे

कुल = 1970 घंटे

- ब्लॉक कक्षाएं: सैद्धांतिक और कौशल प्रयोगशाला अनुभव = 2 सप्ताह × 40 घंटे प्रति सप्ताह (80 घंटे)
(सैद्धांतिक = 74 घंटे, कौशल प्रयोगशाला = 6 घंटे, कुल = 80 घंटे)
- सैद्धांतिक और कौशल प्रयोगशाला सहित नैदानिक अभ्यास = 42 सप्ताह × 45 घंटे प्रति सप्ताह (1890 घंटे)
(सैद्धांतिक = 126 घंटे, कौशल प्रयोगशाला = 34 घंटे, नैदानिक = 1730 घंटे, कुल = 1890 घंटे)

सैद्धांतिक = 200 (74+126) घंटे, कौशल प्रयोगशाला = 40 (6+34) घंटे, नैदानिक = 1730 घंटे

नैदानिक अनुभव के दौरान सैद्धांतिक के 126 घंटे और कौशल प्रयोगशाला अध्ययन के 34 घंटे को एकीकृत किया जा सकता है। संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान छात्रों को प्रशिक्षित करने में निपुण अध्ययन और अनुभवात्मक अध्ययन दृष्टिकोण का उपयोग किया जाना है। कौशल प्रयोगशाला अर्हताओं के लिये परिशिष्ट-1 देखें।

3. नैदानिक अभ्यास (आवासीय पदस्थापन)

आवासीय नैदानिक अनुभव:— हालांकि न्यूनतम 45 घंटे प्रति सप्ताह निर्धारित है, लेकिन अलग-अलग पारियों और प्रत्येक सप्ताह या पखवाड़े ऑन कॉल ड्यूटी करने पर परिस्थिति अनुसार होगा।

नैदानिक पदस्थापन:— प्रशिक्षण अवधि के दौरान छात्रों का निम्नांकित नैदानिक क्षेत्रों में पदस्थापन किया जायेगा:—

क्र.सं.	नैदानिक क्षेत्र	सप्ताह
1	आपातकालीन देखभाल इकाई	4
2	कोरोनरी और कार्डियोथोरेसिक गहन देखभाल इकाई	6
3	मेडिकल गहन देखभाल इकाई (श्वसन, गुर्दे, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, अंतःस्रावी)	10
4	न्यूरोलॉजिकल गहन देखभाल इकाई	6
5	सर्जिकल गहन देखभाल इकाई	10
6	बाल चिकित्सा गहन देखभाल इकाई	4
7	बर्न्स आईसीयू तथा प्लास्टिक सर्जरी इकाई	2
	कुल योग	42

आवासीय छात्र अलग-अलग पारियों में स्टाफ नर्स/नर्सिंग अधिकारियों की कार्य सूची का ही पालन करेंगे। इसके अलावा, 40 सप्ताह तक प्रत्येक सप्ताह 4 घंटे उनके अध्ययन के लिये होंगे, जिन्हें सैद्धांतिक एवं कौशल प्रयोगशाला अभ्यास के लिये दिया जा सकता है (जैसे, संकाय व्याख्यान – 1 घंटा, नर्सिंग व अंतःविषयक संवाद – 1 घंटा, नैदानिक प्रस्तुतियां, केस स्टडी रिपोर्ट, नैदानिक कार्य – 1 घंटा और कौशल प्रयोगशाला अभ्यास – 1 घंटा), इस प्रकार कुल 126 घंटे सैद्धांतिक और 34 घंटे कौशल प्रयोगशाला अभ्यास के लिये होंगे। नैदानिक पदस्थापन के दौरान शोध प्रक्रिया के सोपानों पर आधारित एक लघु सामूहिक शोध परियोजना (शोध/क्यूआई) आयोजित की जा सकती है जिसकी लिखित रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

4. प्रशिक्षण विधियां

सैद्धांतिक, कौशल प्रयोगशाला और नैदानिक शिक्षण निम्नलिखित पद्धतियों द्वारा किये जा सकते हैं और नैदानिक पदस्थापन के दौरान एकीकृत किये जा सकते हैं:-

- केस/नैदानिक प्रस्तुति
- केस स्टडी रिपोर्ट
- ड्रग स्टडी और प्रस्तुति
- बेडसाइड क्लिनिक/नर्सिंग राउंड्स/इंटरडिसिप्लिनरी राउंड
- नैदानिक संगोष्ठी/कॉन्फ्रेंस
- जर्नल क्लब
- नैदानिक क्षेत्र में शिक्षकों के व्याख्यान और चर्चा
- कौशल प्रयोगशाला में तथा बेडसाइड पर अभिव्यक्ति और कौशल प्रशिक्षण
- निर्देशित पढ़न/स्व-अध्ययन
- रोल प्ले
- संगोष्ठी/सामूहिक प्रस्तुति
- सामूहिक शोध परियोजना
- नैदानिक कार्य/आवधिक परीक्षा
- कार्यशाला
- रोगी की वचनवद्धता शिक्षा (सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग कर स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाने के लिये छुट्टी देने की योजना और अनुवर्ती कार्यवाही आदि में रोगियों को साझी बनाना)।
- क्षेत्रीय क्रिटिकल केयर/स्टेम सेल सेंटर और प्रशामक देखभाल केंद्रों के शैक्षिक दौरे।

5. मूल्यांकन विधियां

- लिखित परीक्षा
- प्रायोगिक परीक्षा
- लिखित कार्य
- परियोजना
- केस स्टडी/देखभाल योजना/नैदानिक प्रस्तुति
- नैदानिक प्रदर्शन मूल्यांकन
- नैदानिक कार्यविधिक दक्षताओं और नैदानिक आवश्यकताओं को पूरा करना।
मूल्यांकन दिशानिर्देशों के लिये परिशिष्ट-2 देखें।

6. लॉग बुक और नैदानिक अर्हताएं

प्रत्येक नैदानिक पदस्थापन के अंत में, नैदानिक लॉग बुक (विशिष्ट कार्यविधिक दक्षताएं/नैदानिक कौशल) (परिशिष्ट-3), नैदानिक अर्हताएं (परिशिष्ट-4) और नैदानिक अनुभव विवरण (परिशिष्ट-5) पर संबंधित नैदानिक संकाय/प्रीसेप्टर द्वारा हस्ताक्षर किये जाने चाहिये।

X. अध्ययन पाठ्यक्रम

1. क्रिटिकल केयर नर्सिंग अभ्यास के मूलभूत सिद्धांत :

क्रिटिकल केयर नर्सिंग अभ्यास में व्यावसायिक कुशलता, संवाद, रोगी प्रशिक्षण और परामर्श, नैदानिक नेतृत्व और संसाधन प्रबंधन तथा साक्ष्य आधारित और अनुप्रयुक्त शोध

कुल सैद्धांतिक घंटे: 40

पाठ्यक्रम विवरण: यह पाठ्यक्रम क्रिटिकल केयर नर्सिंग अभ्यास में व्यावसायिक कुशलता, संवाद, रोगी प्रशिक्षण और परामर्श, नैदानिक नेतृत्व और संसाधन प्रबंधन तथा साक्ष्य आधारित और अनुप्रयुक्त शोध की समझ विकसित करने के लिये तैयार किया गया है।

अध्ययन विषय-वस्तु

इकाई	समय (घंटे)	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	नियत कार्य/मूल्यांकन विधियां
I	3 (टी)	व्यावसायिक कुशलता की समझ का प्रदर्शन और क्रिटिकल केयर नर्सिंग अभ्यास में व्यावसायिक कुशलता का प्रदर्शन करना	व्यावसायिक कुशलता <ul style="list-style-type: none"> व्यावसायिक कुशलता – अभिप्राय और सिद्धांत – क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग अभ्यास में जवाबदेही, सुविज्ञता, दृश्यता और नैतिकता व्यावसायिक मूल्य और व्यावसायिक व्यवहार भारतीय उपचर्या परिषद् (आईएनसी) आचार संहिता, व्यावसायिक आचरण संहिता और अभ्यास मानक क्रिटिकल केयर नर्सिंग से संबंधित नैतिक मुद्दे नर्स की प्रसारी भूमिका – नर्स प्रेक्टिशनर व्यावसायिक संगठन सतत नर्सिंग शिक्षा 	<ul style="list-style-type: none"> चर्चा 	<ul style="list-style-type: none"> क्रिटिकल केयर नर्सिंग से संबंधित आचार संहिता का वर्णन करना
II	3 (टी)	क्रिटिकल केयर नर्सिंग अभ्यास के चिकित्सीय-विधिक पहलुओं का वर्णन करना	चिकित्सीय-विधिक पहलू <ul style="list-style-type: none"> क्रिटिकल केयर नर्सिंग से संबंधित कानून और नियम उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम लापरवाही और कदाचार चिकित्सीय-विधिक पहलू रिकॉर्ड और रिपोर्ट क्रिटिकल केयर स्पेशियलिस्ट नर्सों की कानूनी जिम्मेदारियां 	<ul style="list-style-type: none"> व्याख्यान 	<ul style="list-style-type: none"> रोगियों का रिकॉर्ड रखना

इकाई	समय (घंटे)	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	नियत कार्य/मूल्यांकन विधियां
III	12 (टी)	गंभीर हालत वाले रोगियों, परिजनों और व्यावसायिक सहयोगियों से आपसी मेलजोल के साथ स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाने के लिये साझा निर्णय लेकर प्रभावी ढंग से संवाद स्थापित करना उपचार और देखभाल में प्रभावी ढंग से भागीदारी निभाने के लिये रोगियों तथा परिजनों को शिक्षित करना और परामर्श देना	संवाद <ul style="list-style-type: none"> संवाद प्रणाली और तकनीक गंभीर हालत वाले तथा गलत निदान के कारण उत्पन्न विकारों वाले रोगियों और उनके संबंधियों को दुःखद समाचार सुनाना संस्कृति अनुसार संवेदनापूर्वक संवाद संवाद में उपयोगी सूचना प्रौद्योगिकी उपकरण टीम संवाद रोगी और पारिवारिक शिक्षा <ul style="list-style-type: none"> शिक्षण और अध्ययन के सिद्धांत स्वास्थ्य शिक्षा के सिद्धांत सूचना की जरूरतों का आंकलन और रोगी प्रशिक्षण रोगी प्रशिक्षण सामग्री विकसित करना 	मॉड्यूल – संवाद <ul style="list-style-type: none"> व्याख्यान दुःखद समाचार देने में भूमिका निभाना समकक्ष प्रशिक्षण रोगी वचनवद्धता अभ्यास, जैसे छुट्टी की योजना बनाना 	<ul style="list-style-type: none"> डिजिटल रिकॉर्ड्स गंभीर विकारों वाले रोगियों के लिये एक सामूहिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन करना
IV	12 (टी)	नैदानिक नेतृत्व और प्रबंधन रणनीतियों की समझ का प्रदर्शन करना और उनका गंभीर देखभाल समायोजन में सहयोगी एवं प्रभावी टीम वर्क को बढ़ावा देने वाली परिस्थितियों में प्रयोग में लाना	परामर्श <ul style="list-style-type: none"> परामर्श तकनीक दुःखद समाचार, गहन उपचार, संकटकालीन मध्यवर्तन और मरणासन्न अवस्था वाले रोगी और उसके परिजनों को परामर्श देना नैदानिक नेतृत्व और संसाधन प्रबंधन <ul style="list-style-type: none"> नेतृत्व और प्रबंधन क्रिटिकल केयर नर्सिंग देखभाल के प्रबंधन के तत्व – योजना, आयोजन, स्टाफ, रिपोर्टिंग, रिकॉर्डिंग और बजट नैदानिक नेतृत्व और इसकी चुनौतियां शिष्ट मंडल क्रिटिकल केयर इकाइयों में मानव संसाधन प्रबंधन सामग्री प्रबंधन एक आदर्श क्रिटिकल केयर इकाई की रूपरेखा तैयार करना भावनात्मक बुद्धिमत्ता और स्व-प्रबंधन कौशल 	<ul style="list-style-type: none"> परामर्श सत्र व्याख्यान मॉड्यूल – मान्यता और अभ्यास मानक 	<ul style="list-style-type: none"> प्रासंगिक विषय पर रोगी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना क्रिटिकल केयर इकाई में कार्यरत कनिष्ठ नर्सिंग अधिकारियों/ स्टाफ नर्सों के लिये ड्यूटी रोस्टर तैयार करना आदर्श क्रिटिकल केयर इकाई की रूपरेखा तैयार करने के लिये नियत कार्य सीसीयू/ आईसीयू में क्रिटिकल केयर नर्सिंग अभ्यास के लिये एसओपी विकसित करना

इकाई	समय (घंटे)	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	नियत कार्य/मूल्यांकन विधियां
		क्रिटिकल केयर इकाई में गुणवत्ता आश्वासन गतिविधियों में भाग लेना और नैदानिक परीक्षण करना	<ul style="list-style-type: none"> अंतःविषयक दल के सदस्य के रूप में कार्य करना क्रिटिकल केयर वाले रोगियों की देखभाल के लिये नीतियों को प्रासंगिक बनाने में भागीदार बनना क्रिटिकल केयर इकाई में गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम <ul style="list-style-type: none"> नर्सिंग ऑडिट नर्सिंग मानक गुणवत्ता आश्वासन 		
V	10 (टी)	<p>शोध प्रक्रिया का वर्णन करना और मूलभूत सांख्यिकीय परीक्षण करना</p> <p>साक्ष्य आधारित/सर्वोत्तम अभ्यास प्रक्रियाओं को व्यावसायिक अभ्यास में अपनाना</p>	साक्ष्य आधारित और अनुप्रयुक्त शोध <ul style="list-style-type: none"> नर्सिंग शोध और शोध प्रक्रिया का परिचय डेटा प्रस्तुति, मूलभूत सांख्यिकीय परीक्षण और इसके अनुप्रयोग क्रिटिकल केयर नर्सिंग में शोध प्राथमिकताएं क्रिटिकल केयर नर्सिंग अभ्यास के लिये प्रासंगिक समस्याओं/प्रश्नों की अभिव्यक्ति क्रिटिकल केयर नर्सिंग अभ्यास में साक्ष्य आधारित/सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान करने के लिये साहित्यिक समीक्षा दैनिक व्यावसायिक अभ्यास में साक्ष्य आधारित मध्यवर्तन का कार्यान्वयन शोध में नैतिकता 	<ul style="list-style-type: none"> व्याख्यान मॉड्यूल – वैज्ञानिक प्रपत्र लेखन 	<ul style="list-style-type: none"> क्रिटिकल केयर इकाई के गत पांच वर्ष के सांख्यिकीय आंकड़े तैयार करना क्रिटिकल केयर नर्सिंग मध्यवर्तन/साक्ष्य आधारित अभ्यास परियोजना पर साहित्यिक समीक्षा का संचालन करना

2. क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग I

क्रिटिकल केयर नर्सिंग का संदर्भ/परिचय और क्रिटिकल केयर नर्सिंग अभ्यास में प्रयुक्त सामान्य विज्ञान (एप्लाइड साइकोलॉजी एवं सोशियोलॉजी, एनाटॉमी एवं फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, फार्माकोलॉजी एवं पैथोफिजियोलॉजी)

सैद्धांतिक : 50 घंटे और प्रयोगशाला : 10 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण: यह पाठ्यक्रम गहन देखभाल की आवश्यकता वाले रोगियों के निदान और उपचार में क्रिटिकल केयर नर्सिंग देखभाल प्रावधान और सामान्य विज्ञान लागू करने के संदर्भ में समझ और गहन जानकारी विकसित करने में छात्रों की मदद करने के लिये तैयार किया गया है।

अध्ययन विषय—वस्तु

इकाई	समय (घंटे)	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
I	6 (टी)	क्रिटिकल केयर नर्सिंग की अवधारणाओं, सिद्धांतों तथा दायरे और क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ नर्सों की	क्रिटिकल केयर नर्सिंग का परिचय <ul style="list-style-type: none"> महत्वपूर्ण समीक्षा 	<ul style="list-style-type: none"> व्याख्यान 	<ul style="list-style-type: none"> एक आदर्श आईसीयू बनाने का कार्य

इकाई	समय (घंटे)	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
		भूमिका की व्याख्या करना मॉनिटर, उपकरण एवं वेंटिलेटर के साथ क्रिटिकल केयर इकाई स्थापित करने में कौशल का प्रदर्शन	<ul style="list-style-type: none"> क्रिटिकल केयर नर्सिंग की अवधारणा क्रिटिकल केयर नर्सिंग के सिद्धांत क्रिटिकल केयर नर्सिंग का दायरा क्रिटिकल केयर स्पेशियलिस्ट नर्सों की भूमिका उपकरण एवं आपूर्ति के साथ क्रिटिकल केयर इकाई की स्थापना आईसीयू में मॉनिटर, वेंटिलेटर, कंप्यूटर के प्रकार आईसीयू प्रबंधन गहन देखभाल में विभिन्न नैदानिक बंडल 	<ul style="list-style-type: none"> चर्चा मॉनिटर, इन्फ्यूजन तथा सीरिज पंप स्थापन का प्रदर्शन 	<ul style="list-style-type: none"> मॉनिटर, इन्फ्यूजन तथा सीरिज पंप स्थापन पर उल्टा प्रदर्शन
II	6 (टी) 2 (एल)	आईसीयू के अंदर अस्पताल में फैलने वाले संक्रमण (एचएआई) का वर्णन करना और एचएआई रोकथाम रणनीतियों का प्रदर्शन करना	<p>गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) में संक्रमण नियंत्रण</p> <ul style="list-style-type: none"> आईसीयू के अंदर अस्पताल में फैलने वाले संक्रमण (एचएआई): वेंटिलेटर एसोसिएटेड निमोनिया (वीएपी), कैथेटर लाइन एसोसिएटेड ब्लड स्ट्रीम इन्फेक्शन (सीएलएबीएसआई), कैथेटर एसोसिएटेड यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन (सीएयूटीआई) बहु-औषध प्रतिरोधी जीव (एमडीआरओ): मिथाइल रेजिस्टेंट स्टैफिलोकोकस ऑरियस (एमआरएसए), कारपेनम रेजिस्टेंट ऑर्गेनिज्म (सीआरओ), वैनकोमाइसिन रेजिस्टेंट एंटरोकोकस (वीआरई) आईसीयू में कीटाणुशोधन और रोगाणुनाशन सूक्ष्मजैविक निगरानी कर्मचारियों के लिये मानक सावधानियां, प्रोफिलैक्सिस 	<ul style="list-style-type: none"> व्याख्यान चर्चा अस्पताल में फैलने वाले संक्रमण (एचएआई) को रोकने के लिये देखभाल बंडलों पर प्रदर्शन 	<ul style="list-style-type: none"> बहु औषधीय प्रतिरोधी जीवाणुओं वाले रोगियों की देखभाल पर प्रोटोकॉल का समानुदेशन
III	10 (टी) 2 (एल)	तंत्रिका तंत्र, श्वसन प्रणाली, जठरांत्र प्रणाली, अंतःस्रावी प्रणाली, मूत्र तंत्र, प्रजनन प्रणाली, संवेदी अंगों जैसी विभिन्न प्रणालियों की एप्लाइड एनाटॉमी और फिजियोलॉजी के बारे में विस्तारपूर्वक व्याख्या करना	<p>एप्लाइड एनाटॉमी आर फिजियोलॉजी समीक्षा</p> <ul style="list-style-type: none"> तंत्रिका तंत्र श्वसन प्रणाली हृदयवाहिनी प्रणाली जठरांत्र प्रणाली अंतःस्रावी प्रणाली 	<ul style="list-style-type: none"> व्याख्यान चर्चा वीडियो शो 	<ul style="list-style-type: none"> प्रश्नोत्तरी

इकाई	समय (घंटे)	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
			<ul style="list-style-type: none"> • हाड़ पिंजर प्रणाली • मूत्र तंत्र • प्रजनन प्रणाली • संवेदी अंग 		
IV	8 (टी)	गहन देखभाल में इस्तेमाल होने वाले फार्माकोथेराप्यूटिक एजेंटों की व्याख्या करना	फार्माकोलॉजी समीक्षा <ul style="list-style-type: none"> • फार्माकोकाइनेटिक्स • औषधि प्रशासन के सिद्धांत, नर्सों की भूमिका और औषधियों की देखभाल • वयस्क क्रिटिकल केयर इकाई में इस्तेमाल होने वाली औषधियां • विष विज्ञान: विषनाशक • शिशु खुराक और बच्चों पर क्रिटिकल केयर औषधियों के प्रभाव • प्रसूति में भेषज (फार्माकोथेराप्यूटिक्स) • औषधि की प्रतिकूल प्रतिक्रिया और विषाक्तता 	<ul style="list-style-type: none"> • व्याख्यान • चर्चा 	<ul style="list-style-type: none"> • औषधि पुस्तक • इनोट्रोप्स की गणना पर प्रश्नोत्तरी • औषधि प्रस्तुति
V	6 (टी) 2 (एल)	<p>रोगियों पर क्रिटिकल केयर इकाई के मनोशारीरिक और मनोसामाजिक प्रभाव पर विस्तारपूर्वक चर्चा करना</p> <p>गहन देखभाल में उपचारात्मक गतिशीलता का वर्णन करना</p>	क्रिटिकल केयर नर्सिंग अभ्यास पर लागू समग्र देखभाल की अवधारणा: <p>रोगियों पर गहन देखभाल इकाई के मनोशारीरिक और मनोसामाजिक प्रभाव</p> <ul style="list-style-type: none"> • जोखिम कारक, रोगियों का आंकलन, गहन देखभाल मनोविकार, गहन देखभाल इकाई की मनोशारीरिक और मनोसामाजिक समस्याओं से रोगियों की रोकथाम और प्रभावित रोगियों की नर्सिंग देखभाल, रोगी के परिजनों की देखभाल, पारिवारिक शिक्षण <p>गहन देखभाल इकाई में चिकित्सीय गतिशीलता</p> <ul style="list-style-type: none"> • स्पर्श, शिथिलता, आध्यात्मिकता और प्रार्थना, मालिश, संगीत चिकित्सा, निर्देशित कल्पना की गतिशीलता • स्वास्थ्य दल के सदस्यों में तनाव और अक्रियाशीलता के लक्षण 	<ul style="list-style-type: none"> • व्याख्यान • चर्चा 	<ul style="list-style-type: none"> • मामले के अध्ययन की प्रस्तुति
VI	4 (टी)	गंभीर रूप से बीमार रोगियों में दर्द प्रबंधन के सिद्धांतों की व्याख्या करना	दर्द प्रबंधन <p>दर्द और गंभीर रूप से बीमार रोगियों को बेहोश करने की क्रिया</p>	<ul style="list-style-type: none"> • व्याख्यान • चर्चा 	<ul style="list-style-type: none"> • प्लेसीबो प्रभाव पर निहित कार्य

इकाई	समय (घंटे)	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
			<ul style="list-style-type: none"> • दर्द के सिद्धांत • दर्द के प्रकार • दर्द का पैथोफिजियोलॉजी • दर्द का आंकलन • दर्द के लिये प्रणालीगत प्रतिक्रियाएं • दर्द प्रबंधन • गंभीर रूप से बीमार रोगियों को बेहोश करने की क्रिया • मृतक के लिये प्रार्थना के प्रभाव 	<ul style="list-style-type: none"> • प्रदर्शन • दर्द और बेहोशी का आंकलन 	
VII	8 (टी) 4 (एल)	गंभीर रूप से बीमार रोगियों के पोषण प्रबंधन की व्याख्या करना	गंभीर रूप से बीमार रोगियों का पोषण प्रबंधन <ul style="list-style-type: none"> • रोगी की पोषण स्थिति का आंकलन करना • गंभीर रूप से बीमार रोगियों में अल्प पोषण के प्रभाव • द्रव और इलेक्ट्रोलाइट प्रबंधन • पोषण सहायता प्रदान करना • चिकित्सीय आहार – रोगों की विभिन्न स्थितियां, कुल पैरेंटेरल और एंटेरल पोषण 	<ul style="list-style-type: none"> • व्याख्यान • चर्चा • टीपीएन को जोड़ने का प्रदर्शन • टीपीएन और जेजुनोस्टॉमी शेड्यूल के साथ पूरकता पर स्व-अध्ययन 	<ul style="list-style-type: none"> • उल्टा प्रदर्शन
VIII	2 (टी)	मरणासन्न रोगियों की देखभाल करने और परामर्श देने में कौशल का प्रदर्शन करना	मरणासन्न रोगियों की देखभाल <ul style="list-style-type: none"> • मरणासन्न रोगी को आध्यात्मिक सहारा • दुःख और शोक प्रक्रिया • शोक समर्थन • अंगदान और परामर्श • मृतक की देखभाल 	<ul style="list-style-type: none"> • व्याख्यान • सामूहिक चर्चा 	<ul style="list-style-type: none"> • मामले की प्रस्तुति

3. क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग II

नैदानिक स्थितियों का नर्सिंग प्रबंधन जिसमें आंकलन, निदान, उपचार और विशिष्ट मध्यवर्तन, रोगी सुरक्षा और गुणवत्ता तथा विशिष्ट/बीमारी विशिष्ट विवेचन (सहायक देखभाल/प्रशामक देखभाल/स्वास्थ्य लाभ) शामिल हैं

सैद्धांतिक : 110 घंटे और प्रयोगशाला : 30 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण: यह पाठ्यक्रम छात्रों को विभिन्न गंभीर परिस्थितियों वाले रोगियों के आंकलन, निदान, उपचार, नर्सिंग प्रबंधन, और सहायक/प्रशामक देखभाल के लिये आवश्यक जानकारी और दक्षता विकसित करने में मदद करने के लिये तैयार किया गया है।

अध्ययन विषय-वस्तु

इकाई	समय	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
I	10 (टी)	गंभीर रूप से बीमार रोगी की जठरांत्र प्रणाली का आंकलन करने में कौशल प्रदर्शन कारण, पैथोफिजियोलॉजी, नैदानिक प्रकार, नैदानिक विशेषताएं, निदान, रोग निदान और प्रबंधन की व्याख्या करना : चिकित्सा, शल्य चिकित्सा और जठरांत्र संबंधी विकारों वाले रोगियों के लिये नर्सिंग देखभाल प्रदान करने में कौशल प्रदर्शन	जठरांत्र प्रणाली • जठरांत्र प्रणाली का आंकलन तथा निगरानी पोषाहार स्थिति की निगरानी, पेट के अंदर का दबाव, विभिन्न इमेजिंग अध्ययन • सामान्य जठरांत्र विकार – तीव्र जठरांत्र रक्तस्राव – हेपेटिक विकार – फुलमिनेंट हेपेटिक विफलता और हेपेटिक एन्सेफेलोपैथी – तीव्र पेट – तीव्र अग्नाशयशोथ, तीव्र आंत्र रुकावट – परफोरेटिव पेरिटोनिटिस – इंद्रा-एब्डॉमिनल हाइपरटेंशन • प्रबंधन के तौर-तरीके – यकृत प्रत्यारोपण	• व्याख्यान तथा चर्चा	• मामले की प्रस्तुति
II	9 (टी) 5 (एल)	कारण, पैथोफिजियोलॉजी, नैदानिक प्रकार, नैदानिक विशेषताएं, निदान, रोग निदान और प्रबंधन की व्याख्या करना : चिकित्सा, शल्य चिकित्सा और गुर्दे की बीमारी वाले रोगियों के लिये नर्सिंग देखभाल प्रदान करने में कौशल प्रदर्शन	वृक्क तंत्र • आंकलन और नैदानिक अध्ययन • सामान्य गुर्दे संबंधी विकार – गुर्दे की तीव्र चोट (एकेआई) – क्रोनिक रीनल फेल्योर – एक्यूट ट्यूबलर नेक्रोसिस • प्रबंधन के तौर-तरीके – हीमोडायलिसिस – पेरिटोनियल डायलिसिस – सतत चलने वाली पेरिटोनियल डायलिसिस – सतत धमनी शिरापरक हेमोडायलिसिस – गुर्दा प्रत्यारोपण	• व्याख्यान तथा चर्चा • हेमोडायलिसिस और पेरिटोनियल डायलिसिस शुरू करने और जोड़ने पर प्रदर्शन	• उल्टा प्रदर्शन
III	10 (टी) 5 (एल)	गंभीर रूप से बीमार रोगी के तंत्रिका तंत्र का आंकलन करने में कौशल प्रदर्शन	तंत्रिका प्रणाली • आंकलन और नैदानिक परीक्षण: द्वि-वर्णक्रमीय सूचकांक निगरानी, चतुष्पदीय निगरानी श्रृंखला, अंतःकपाल	• व्याख्यान • आंकलन का	• आईसीपी तथा ब्रेन स्टेम रिप्लेक्सिस की निगरानी पर

इकाई	समय	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
		कारण, पैथोफिजियोलॉजी, नैदानिक प्रकार, नैदानिक विशेषताएं, निदान, रोग निदान और प्रबंधन की व्याख्या करना : विभिन्न तंत्रिका संबंधी विकारों का चिकित्सीय, शल्य चिकित्सीय और नर्सिंग प्रबंधन	<p>दबाव (आईसीपी) निगरानी, मस्तिष्क स्तंभ सजगता की निगरानी</p> <ul style="list-style-type: none"> ● सामान्य तंत्रिका संबंधी विकार <ul style="list-style-type: none"> – सेरेब्रोवास्कुलर रोग – सेरेब्रोवास्कुलर दुर्घटना – उद्वेग विकार – गुइलेन-बैरे सिंड्रोम – मायस्थेनिया ग्रेविस – थर्मोरेग्यूलेशन से संबंधित समस्याएं: हाइपोथर्मिया और हाइपरथर्मिया – बेहोशी – स्थायी निष्क्रिय अवस्था – कोमा – इंद्राक्रैनील उच्च रक्तचाप – हर्नियेशन सिंड्रोम – एन्सेफैलोपैथी ● प्रबंधन के तौर-तरीके <ul style="list-style-type: none"> – क्रैनियोटॉमी 	<p>प्रदर्शन</p> <ul style="list-style-type: none"> ● बॉडी वार्मर लगाने का प्रदर्शन 	<p>उल्टा प्रदर्शन</p> <ul style="list-style-type: none"> ● विभिन्न स्नायविक विकारों के मामले की प्रस्तुति
IV	6 (टी)	कारण, पैथोफिजियोलॉजी, नैदानिक प्रकार, नैदानिक विशेषताएं, निदान, रोग निदान और प्रबंधन की व्याख्या करना : विभिन्न अंतःस्रावी विकारों का चिकित्सीय, शल्य चिकित्सीय और नर्सिंग प्रबंधन	<p>अंतःस्रावी प्रणाली</p> <ul style="list-style-type: none"> ● हाइपोग्लाइसीमिया ● मधुमेह संबंधी कीटोएसिडोसिस ● थायराइड संकट ● मायक्सेडेमा कोमा ● अधिवृक्क संकट ● एंटीडाययूरेटिक हॉर्मोन (एसआईएडीएच) के अनुपयुक्त/ हाइपरस्क्रिशन का सिंड्रोम ● मधुमेह इंसुलीन 	<ul style="list-style-type: none"> ● व्याख्यान ● इंसुलिन इन्फ्यूजन पर प्रोटोकॉल पर चर्चा 	
V	15 (टी)	सदमे का मूल्यांकन करने में कौशल का प्रदर्शन करना	<p>अन्य आपातकालीन स्थितियों का प्रबंधन</p> <ul style="list-style-type: none"> ● आघात: चोट तंत्र, आंकलन – प्राथमिक सर्वेक्षण और द्वितीयक सर्वेक्षण, थोरेसिक चोट, पेट की चोट, मूत्राशय आघात, श्रोणि 	<ul style="list-style-type: none"> ● व्याख्यान ● चर्चा 	<ul style="list-style-type: none"> ● प्राथमिक सर्वेक्षण और द्वितीयक सर्वेक्षण जैसे मूल्यांकन पर उल्टा

इकाई	समय	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
		चोट की प्रणाली की व्याख्या करना: नैदानिक विशेषताएं, निदान और प्रबंधन: विभिन्न प्रकार की चोटों, विभिन्न प्रकार के झटकों, एसआईआरएस, एमओडीएस, औषधि की अधिक मात्रा, विषाक्तता और एडस का चिकित्सीय, शल्य चिकित्सीय और नर्सिंग प्रबंधन	<p>फ्रैक्चर, सिर की चोट, रीढ़ की हड्डी की चोट, और आघात की जटिलताएं</p> <ul style="list-style-type: none"> • शॉक: शॉक सिंड्रोम, हाइपोवोलैमिक शॉक, कार्डियोजेनिक शॉक, एनाफिलेक्टिक शॉक, न्यूरोजेनिक शॉक, सेप्टिक शॉक • इन्फ्लैमेटरी रिस्पांस: सिस्टमिक इन्फ्लैमेटरी रिस्पांस सिंड्रोम (एसआईआरएस), मल्टीपल ऑर्गन डिसफंक्शन सिंड्रोम (एमओडीएस) • डिस्सेमिनेटेड इंद्रावास्कुलर कोएगुलेंट (डीआईसी) <ul style="list-style-type: none"> – औषधि की अधिकता और विषाक्तता – एडस: एक्वायर्ड इम्यूनो-डेफिशिएंसी सिंड्रोम 	<ul style="list-style-type: none"> • कॉलर का उपयोग करके सर्वाइकल स्पाइन के आंकलन और स्थिरीकरण पर प्रदर्शन 	प्रदर्शन
VI	20 (टी) 5 (एल)	<p>हृदयवाहिनी प्रणाली का आंकलन करने में कौशल का प्रदर्शन करना</p> <p>कारण, पैथोफिजियोलॉजी, नैदानिक प्रकार, नैदानिक विशेषताएं, निदान, रोग का निदान, प्रबंधन की व्याख्या करना: हृदय संबंधी विकारों का चिकित्सीय, शल्य चिकित्सीय और नर्सिंग प्रबंधन</p> <p>हृदय फुफ्फुसीय चिकित्सा और डिफिब्रिलेशन करने में कौशल का प्रदर्शन</p>	<p>इंटेसिव कार्डियोथोरेसिक नर्सिंग</p> <ul style="list-style-type: none"> • आंकलन और नैदानिक परीक्षण: ईसीजी, कार्डिएक एंजाइम अध्ययन, होल्टर मॉनिटरिंग, स्ट्रेस टेस्ट, इकोकार्डियोग्राफी, कोरोनरी एंजियोग्राफी, न्यूक्लियर मेडिसिन स्टडीज, हेमोडायनामिक मॉनिटरिंग जिसमें एबीपी, सीवीपी और पिक्को शामिल हैं • सामान्य हृदय संबंधी विकार: <ul style="list-style-type: none"> – उच्च रक्तचाप संकट – कोरोनरी धमनी रोग – तीव्र रोधगलन कार्डियोमायोपैथी – गहरी शिरा घनास्त्रता – वाल्वुलर रोग – हार्ट ब्लॉक – कार्डिएक अतालता और चालन गड़बड़ी – एन्यूरिज्म – अन्तर्हृद्शोथ – दिल की विफलता • प्रबंधन के तौर-तरीके <ul style="list-style-type: none"> – कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन: 	<ul style="list-style-type: none"> • व्याख्यान • चर्चा • प्रदर्शन • सीपीआर पर प्रदर्शन 	<ul style="list-style-type: none"> • हेमोडायनामिक निगरानी पर उल्टा प्रदर्शन • सामान्य ईसीजी की विवेचना • अतालता की विवेचना • सीपीआर पर उल्टा प्रदर्शन, डीफिब्रिलेटर का उपयोग

इकाई	समय	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
			बीसीएलएस/एसीएलएस - थ्रोम्बोलाइटिक थेरेपी - पेसमेकर - अस्थायी और स्थायी - पक्यूर्टेनियस ट्रांसल्यूमिनल कोरोनरी एंजियोप्लास्टी - कार्डियोवर्जन - इंटर-अओर्टिक पल्सेशन - डिफिब्रिलेशन - कार्डिस्क सर्जरी - कोरोनरी धमनी बाईपास ग्राफ्ट (सीएबीजी/एमआईसीएएस) - वाल्वलर सर्जरी - हृदय प्रत्यारोपण - ऑटोलॉगस रक्ताधान - रेडियोफ्रीक्वेंसी कैथेटर एब्लेशन		
VII	15 (टी) 5 (एल)	हृदयवाहिनी प्रणाली का आंकलन करने में कौशल का प्रदर्शन करना कारण, पैथोफिजियोलॉजी, नैदानिक प्रकार, नैदानिक विशेषताएं, रोग का निदान, और प्रबंधन की व्याख्या करना: चिकित्सीय, शल्य चिकित्सीय और नर्सिंग प्रबंधन	श्वसन प्रणाली • आंकलन और नैदानिक परीक्षण: धमनीय रक्त गैस विश्लेषण, ETCO ₂ मॉनिटरिंग, पल्स ऑक्सीमेट्री, चेस्ट एक्स-रे, पल्मोनरी एंजियोग्राफी, ब्रॉकोस्कोपी, पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट, वेंटिलेशन परपयूजन स्कैन, लंग वेंटिलेशन स्कैन • अम्ल-क्षार संतुलन और असंतुलन • सामान्य फुफुसीय विकार - स्टेटस अस्थमेटिकस - इंटरस्टीशियल लंग डिजीज - फुफुस बहाव - पल्मोनरी एडिमा - एटेलेक्टैसिस - पल्मोनरी एम्बोलिज्म	<ul style="list-style-type: none"> • व्याख्यान • चर्चा • प्रदर्शन • स्व-अध्ययन • प्रोन पोजिशनिंग पर प्रदर्शन • एयरवे मेनेजमेंट तकनीकों पर वीडियो • मैकेनिकल वेंटिलेटर तथा ब्रॉन्कियल स्वच्छता 	<ul style="list-style-type: none"> • एबीजी विश्लेषण के नमूने, परीक्षण और विवेचना पर उल्टा प्रदर्शन, छाती के सामान्य तथा असामान्य एक्स-रे की ETCO₂ निगरानी और विवेचना • एयरवे मेनेजमेंट पर उल्टा प्रदर्शन • मैकेनिकल वेंटिलेटर तथा ब्रॉन्कियल स्वच्छता की स्थापना पर उल्टा प्रदर्शन

इकाई	समय	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
			<ul style="list-style-type: none"> - तीव्र श्वसन विफलता - एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम (एआरडीएस) - चेस्ट ट्रोमा - हीमोथोरैक्स - न्यूमोथोरैक्स <p>● प्रबंधन के तौर-तरीके</p> <ul style="list-style-type: none"> - एयरवे मैनेजमेंट - वेंटिलेटरी मैनेजमेंट: इनवेसिव, नॉन-इनवेसिव, लॉन्ग टर्म मैकेनिकल वेंटिलेशन - ब्रॉन्कियल हाइजीन: सक्शनिंग, नेबुलाइजेशन, डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज, चेस्ट फिजियोथेरेपी, पोस्ट्युरल ड्रेनेज, इंटरकोस्टल ड्रेनेज, थोरैसिक सर्जरी 	की स्थापना पर प्रदर्शन	
VIII	5 (टी) 5 (एल)	नैदानिक प्रकार, वर्गीकरण, पैथोफिजियोलॉजी, नैदानिक विशेषताएं, आंकलन, निदान, रोग निदान और प्रबंधन की व्याख्या करना: चिकित्सीय, शल्य चिकित्सीय और जले हुए रोगियों की देखभाल करने में कौशल का प्रदर्शन	इंटरगुमेंटरी सिस्टम <ul style="list-style-type: none"> ● बर्न्स ● प्रबंधन के तौर-तरीके - द्रव और इलेक्ट्रोलाइट थेरेपी – तरल पदार्थ की गणना और उसका प्रशासन - घाव की देखभाल - ग्राफ्ट व प्लैप - रिंस्ट्रक्टिव सर्जरी 	<ul style="list-style-type: none"> ● व्याख्यान ● चर्चा ● विभिन्न प्रबंधन तौर-तरीकों पर संगोष्ठी ● जले पर पट्टी बांधने का प्रदर्शन 	<ul style="list-style-type: none"> ● जले हुए रोगियों के लिये द्रव और इलेक्ट्रोलाइट की आवश्यकता की गणना ● जले पर पट्टी बांधने का उल्टा प्रदर्शन
IX	10 (टी) 2 (एल)	कारण, पैथोफिजियोलॉजी, नैदानिक प्रकार, नैदानिक विशेषताएं, निदान, रोग निदान, और प्रबंधन की व्याख्या करना: नवजात और बाल चिकित्सा आपात स्थिति और जन्मजात विकारों का चिकित्सीय, शल्य चिकित्सक और नर्सिंग प्रबंधन	नवजात और बाल चिकित्सा नर्सिंग <ul style="list-style-type: none"> ● जन्म के समय कम वजन के नवजात शिशु का आंकलन ● नवजात शिशुओं की सामान्य आपात स्थितियां - एस्फिकसिया नियोनेटरम - नवजात शिशुओं में पैथोलॉजिकल पीलिया - नवजात शिशु को पड़ने वाले दौरै 	<ul style="list-style-type: none"> ● व्याख्यान ● आंकलन का प्रदर्शन ● सामूहिक चर्चा 	<ul style="list-style-type: none"> ● जन्म के समय कम वजन वाले नवजात शिशु के आंकलन पर लिखित रिपोर्ट

इकाई	समय	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
			<ul style="list-style-type: none"> - चयापचय संबंधी विकार - इंट्राक्रैनियल हेमोरेज - नवजात पूति - आरडीएस/एचएमडी (रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम/हाइलिन मेम्ब्रेन डिजीज) - स्टेटस अस्थमेटिकस • जन्मजात विकार <ul style="list-style-type: none"> - सायनोटिक हृदय रोग - ट्रेकोएसोफेगल फिस्टुला - कनजेनिटल हाइपरट्रॉफिक पाइलोरिक स्टेनोसिस - इंपरफोरेट एनस • बाल चिकित्सीय आपात स्थिति <ul style="list-style-type: none"> - निर्जलीकरण - एक्यूट ब्रॉन्को निमोनिया - एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम - विषाक्तता - विजातीय पदार्थ • प्रबंधन क तौर-तरीके <ul style="list-style-type: none"> - हाइपोथर्मिया का प्रबंधन, वेंटिलेटर प्रबंधन • बच्चे और परिवार के मनोसामाजिक मुद्दे 		
X	10 (टी) 3 (एल)	कारण, पैथोफिजियोलॉजी, नैदानिक प्रकार, नैदानिक विशेषताएं, निदान, रोग निदान और प्रबंधन की व्याख्या करना: प्रसूति संबंधी आपात स्थितियों का चिकित्सीय, शल्य चिकित्सीय और नर्सिंग प्रबंधन	प्रसूति संबंधी आपात स्थिति <ul style="list-style-type: none"> • सामान्य प्रसूति संबंधी आपात स्थिति <ul style="list-style-type: none"> - प्रसवपूर्व रक्तस्राव - प्रीक्लेम्पसिया - एक्लम्पसिया - बाधित प्रसव 	<ul style="list-style-type: none"> • व्याख्यान • चर्चा 	• मामले की प्रस्तुति

इकाई	समय	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
			<ul style="list-style-type: none"> - फटा हुआ गर्भाशय - प्रसवोत्तर रक्तस्राव - प्यूपरल सेप्सिस - प्रसूति शॉक 		

अभ्यास (कौशल प्रयोगशाला और नैदानिक)

कुल अवधि: 1770 घंटे (40 + 1730)

(कौशल प्रयोगशाला - 40 घंटे और नैदानिक - 1730 घंटे)

अभ्यास दक्षताएं

कार्यक्रम के अंत में छात्र निम्नलिखित कार्य संपादन करने में सक्षम होंगे:-

1. गंभीर रूप से बीमार रोगियों का आंकलन करना
2. गंभीर देखभाल समायोजन में विशेष प्रक्रियाओं में सहायता करना और संपादित करना
3. गंभीर रूप से बीमार रोगियों की इकाई में भर्ती रोगियों को तैयार करना और उनकी देखभाल करना
4. गंभीर देखभाल स्थितियों/विकारों वाले विशेष समूहों जैसे शिशु या बजुर्ग रोगियों का आंकलन तथा प्रबंधन करना
5. वैस्क्यूलर एक्सेसे डिवाइस की देखभाल
6. औषधियों का रखरखाव तथा भंडारण और दैनिक रिकॉर्ड रखना।

नैदानिक पदस्थापन

क्षेत्र	अवधि (सप्ताह)	नैदानिक अध्ययन के परिणाम	कौशल/प्रक्रियात्मक दक्षताएं	निहित कार्य	मूल्यांकन विधियां
आपातकालीन देखभाल	4	विभिन्न गंभीर रूप से बीमार/विकारों वाले रोगियों को नर्सिंग देखभाल प्रदान करना मरणासन्न रोगियों को तैयार करना और उनके पुनर्जीवन में सहायता करना प्रभावी परामर्श प्रदान करना	<ul style="list-style-type: none"> • पूर्ववृत्त लेना • शारीरिक आंकलन करना • नैदानिक परीक्षणों में सहायता करना • आपातकालीन प्रबंधन के लिये क्रैश कार्ट तैयार करना • बुनियादी जीवन समर्थन का प्रदर्शन करना • उन्नत जीवन समर्थन में सहायता करना • रोगियों को शल्य चिकित्सीय कक्ष/गहन देखभाल इकाई में ले जाने की तैयारी करना • रोगी तथा परिवार को परामर्श 	<ul style="list-style-type: none"> • स्वास्थ्य आंकलन रिपोर्ट • केस स्टडी रिपोर्ट • बीएलएस तथा एसीएलएस के लिये अल्गोरिद्म तैयार करना • स्वास्थ्य परामर्श 	<ul style="list-style-type: none"> • नैदानिक मूल्यांकन • मामले के अध्ययन पर रिपोर्ट • नैदानिक प्रस्तुति

क्षेत्र	अवधि (सप्ताह)	नैदानिक अध्ययन के परिणाम	कौशल/प्रक्रियात्मक दक्षताएं	निहित कार्य	मूल्यांकन विधियां
			देना		
कोरोनरी एवं कार्डियोथोरेकिक गहन देखभाल इकाई	6	हृदय तथा श्वसन संबंधी गंभीर स्थितियों वाले रोगियों के लिये व्यापक देखभाल प्रदान करना	<ul style="list-style-type: none"> हृदय तथा फेफड़ों के विकारों वाले रोगियों का पूर्ववृत्त लेना और उनका शारीरिक परीक्षण करना ईसीजी की विवेचना करना रोगियों को हृदय तथा श्वसन संबंधी जांच के लिये तैयार करना चिकित्सीय तथा शल्य चिकित्सीय आपात स्थितियों वाले रोगियों को सक्षम देखभाल प्रदान करना डिफिब्रिलेटर का उपयोग करना 	<ul style="list-style-type: none"> कार्डियोथोरेकिक आंकलन रिपोर्ट 	<ul style="list-style-type: none"> नैदानिक मूल्यांकन मामले के अध्ययन पर रिपोर्ट नैदानिक प्रस्तुति
चिकित्सीय गहन देखभाल इकाई (श्वसन, गुर्दे, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, अंतःस्रावी)	10	चिकित्सीय गहन देखभाल की स्थिति वाले रोगियों को समग्र देखभाल प्रदान करना	<ul style="list-style-type: none"> हृदय तथा फेफड़ों के विकारों वाले रोगियों का पूर्ववृत्त लेना और उनका शारीरिक परीक्षण करना एबीजी की विवेचना करना रोगियों को नैदानिक प्रक्रियाओं के लिये तैयार करना रोगियों के नैदानिक निष्कर्षों की विवेचना करना चिकित्सीय तथा शल्य चिकित्सीय आपात स्थितियों वाले रोगियों को सक्षम देखभाल प्रदान करना रोगियों के सीवीपी तथा एबीपी की निगरानी करना 	<ul style="list-style-type: none"> एबीजी विवेचना 	<ul style="list-style-type: none"> नैदानिक मूल्यांकन मामले के अध्ययन पर रिपोर्ट नैदानिक प्रस्तुति
न्यूरोलॉजिकल गहन देखभाल इकाई	6	न्यूरोलॉजिकल आपातकालीन स्थितियों वाले रोगियों की देखभाल करना	<ul style="list-style-type: none"> तंत्रिका संबंधी गंभीर स्थितियों वाले रोगियों का पूर्ववृत्त लेना और उनका शारीरिक परीक्षण करना ग्लासको कोमा स्केल का आंकलन करना रोगियों को नैदानिक प्रक्रियाओं के लिये तैयार करना रोगियों के नैदानिक निष्कर्षों की विवेचना करना रोगियों की न्यूरोलॉजिकल 	<ul style="list-style-type: none"> एबीजी विवेचना 	<ul style="list-style-type: none"> नैदानिक मूल्यांकन मामले के अध्ययन पर रिपोर्ट नैदानिक प्रस्तुति

क्षेत्र	अवधि (सप्ताह)	नैदानिक अध्ययन के परिणाम	कौशल/प्रक्रियात्मक दक्षताएं	निहित कार्य	मूल्यांकन विधियां
			<p>चिकित्सीय प्रक्रियाओं में सहायता करना</p> <ul style="list-style-type: none"> • न्यूरोलॉजिकल गंभीर स्थितियों वाले रोगियों की निगरानी करना 		
शल्य चिकित्सीय गहन देखभाल इकाई	10	शल्य चिकित्सीय आपातकालीन स्थितियों वाले रोगियों को व्यापक देखभाल प्रदान करना	<ul style="list-style-type: none"> • हृदय तथा फेफड़ों के विकारों वाले रोगियों का पूर्ववृत्त लेना और उनका शारीरिक परीक्षण करना • एबीजी का विवेचन करना • रोगियों को नैदानिक प्रक्रियाओं के लिये तैयार करना • रोगियों के नैदानिक निष्कर्षों की विवेचना करना • चिकित्सीय तथा शल्य चिकित्सीय आपात स्थितियों वाले रोगियों को सक्षम देखभाल प्रदान करना • रोगियों की यांत्रिक वेंटीलेशन पर देखभाल करना 	<ul style="list-style-type: none"> • एबीजी विवेचना 	<ul style="list-style-type: none"> • नैदानिक मूल्यांकन • मामले के अध्ययन पर रिपोर्ट • नैदानिक प्रस्तुति
शिशु गहन देखभाल इकाई	4	गंभीर परिस्थितियों वाले शिशुओं को व्यापक देखभाल प्रदान करना	<ul style="list-style-type: none"> • गंभीर स्थिति वाले बच्चों का पूर्ववृत्त लेना और उनका शारीरिक परीक्षण करना • शिशुओं को नैदानिक प्रक्रियाओं के लिये तैयार करना • नैदानिक निष्कर्षों की विवेचना करना • गंभीर परिस्थितियों वाले शिशुओं सक्षम देखभाल प्रदान करना 	<ul style="list-style-type: none"> • बच्चों का बढ़ाव और विकास — आंकलन 	<ul style="list-style-type: none"> • नैदानिक मूल्यांकन • मामले के अध्ययन पर रिपोर्ट • नैदानिक प्रस्तुति
बर्न्स एंड प्लास्टिक सर्जरी इकाई	2	प्लास्टिक सर्जरी की आवश्यकता वाले जलने तथा अन्य गंभीर स्थितियों वाले रोगियों को सक्षम देखभाल प्रदान करना	<ul style="list-style-type: none"> • हृदय तथा फेफड़ों के विकारों वाले रोगियों का पूर्ववृत्त लेना और उनका शारीरिक परीक्षण • जले हुए रोगियों का द्रव प्रबंधन करना • रोगियों को नैदानिक प्रक्रियाओं के लिये तैयार करना • नैदानिक निष्कर्षों की विवेचना करना • प्लास्टिक सर्जरी की आवश्यकता 	<ul style="list-style-type: none"> • जलने के कारण मरणासन्न रोगी को द्रव चढ़ाना 	<ul style="list-style-type: none"> • नैदानिक मूल्यांकन • मामले के अध्ययन पर रिपोर्ट • नैदानिक प्रस्तुति

क्षेत्र	अवधि (सप्ताह)	नैदानिक अध्ययन के परिणाम	कौशल/प्रक्रियात्मक दक्षताएं	निहित कार्य	मूल्यांकन विधियां
			वाले जलने तथा अन्य गंभीर स्थितियों वाले रोगियों को सक्षम देखभाल प्रदान करना		

परिशिष्ट 1

**कौशल प्रयोगशाला अर्हताएं
(आईसीयू कौशल प्रयोगशाला के लिये उपकरणों की सूची)**

क्र.सं.	उपकरण का नाम	संख्या
सामान्य उपकरण		
1	गद्दे, चादर और तकिया के साथ-साथ संबंधित सयांजनो के साथ इलेक्ट्रॉनिक आईसीयू शैय्या (प्रत्येक 5-10 छात्रों के लिये एक)	1
2	बुनियादी रोगी देखभाल उपकरणों और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों के साथ बेडसाइड ट्रॉली	1
3	ड्रेसिंग ट्रॉली/ओवर बेड ट्रॉली	1
4	हाथ धोने के लिये आवश्यक वस्तुओं और ड्रायर के साथ सिंक	1
5	आईवी स्टैंड	1
6	ढक्कन के साथ रंग-आधारित अपशिष्ट डिब्बे	1
7	ऑक्सीजन, चिकित्सीय वायु और वैक्यूम के लिये दीवार पर लगे पोर्ट	1
8	स्टैंड और ऑक्सीजन प्रवाह मीटर के साथ पोर्टेबल ऑक्सीजन सिलेंडर	
9	नेबुलाइजर मास्क के साथ नेबुलाइजर मशीन (वयस्क एवं शिशु)	1+1
10	ऑक्सीजन मास्क (वयस्क एवं शिशु)	1+1
11	नाक प्रवेशनी (वयस्क एवं शिशु)	1+1
12	स्टेथोस्कोप के साथ बीपी मॉनिटर (वयस्क एवं शिशु)	1+1
13	ग्लूकोमीटर	1
14	दस्तावेजीकरण प्रवाह चार्ट	
आईसीयू विशिष्ट उपकरण		
1	मॉनिटर स्टैंड सहित सहायक उपकरणों के साथ कार्डिएक/मल्टीमॉडल मॉनिटर (हेमोडायनामिक मॉनिटरिंग)	1
2	ईसीजी मशीन	1
3	क्रैश कार्ट	1
4	डिफिब्रिलेटर (वयस्क एवं शिशु पैडल)	1+1
5	वेंटिलेटर	1
6	अंबु बैग (वयस्क एवं शिशु)	1+1
7	एनआईवी मास्क (वयस्क एवं शिशु)	1+1
8	प्रैसर बैग	1
9	बैन सर्किट (वयस्क एवं शिशु)	1+1
10	स्टैंड के साथ सिरिज पंप	1
11	स्टैंड के साथ इनफ्यूजन पंप	1
12	उच्च एकाग्रता मुखौटा (वयस्क एवं शिशु)	1+1
13	ईयर प्रोब (संतृप्ति निगरानी)*	1
14	एसोफेजल टैम्परेचर प्रोब*	1
15	बिपैप	1
विभिन्न प्रक्रियाओं के लिये ट्रे सेट		
1	इंटुबेद्याण ट्रे (वयस्क)	1
2	इंटुबेषण ट्रे (शिशु)	1
3	ट्रेकोस्टॉमी ट्रे	1
4	सीवीपी ट्रे	1
5	कैथीटेराइजेशन ट्रे	1
6	आईवी कैन्जुलेशन ट्रे	1

क्र.सं.	उपकरण का नाम	संख्या
7	एलपी ट्रे	1
8	थोरैसेन्टेसिस ट्रे	1
9	पैरासेन्टेसिस ट्रे	1
10	रक्त नमूना संग्रहण ट्रे	1
11	आपातकालीन औषधि ट्रे	1
12	आर्टिरियल लाइन ट्रे	1
14	सूटर रिमूवल ट्रे	1
15	सक्शन ट्रे	1
16	आईसीडी/चेस्ट ड्रेनेज ट्रे	1
17	पीपीई ट्रे	1
18	स्पिलेज किट	1
19	ट्यूब, कैथेटर, विभिन्न आकारों की लाइन	
20	कौशल आवश्यकताओं के अनुसार औषधि, तरल पदार्थ, सीरिज, बीजी सेट, आईवी सेट, आर्टिरियल लाइन, सेंट्रल लाइन	

मैनीक्विन (मैनीकिन)/सिम्युलेटर आवश्यकताएं

1. एयरवे मेनेजमेंट ट्रेनर/सिम्युलेटर – वयस्क एवं शिशु (वयस्क एवं शिशु इंटुबेशन तकनीक, ईटी सक्शनिंग तथा ट्रेकोस्टोमी देखभाल)
2. हेमोडायनामिक मॉनिटरिंग सिमुलेशन किट (अंतःधमनीय रक्तचाप, सीवीपी और आईसीपी की निगरानी)
3. ईसीजी सिम्युलेटर
4. वयस्क एवं शिशु सीपीआर (बीएलएस तथा एसीएलएस मोड) सिमुलेशन मैनीकिन
5. वयस्क एवं शिशु आईवी ट्रेनिंग आर्म किट, (आईवी लाइन इंसरशन, ब्लड ट्रांसपयूजन)
6. आर्टिरियल पंचर आर्म सिम्युलेटर
7. सेंट्रल वीनस सिम्युलेटर
8. महिला एवं पुरुष कैथीटेराइजेशन मैनीकिन
9. हाई फाइडलिटी सिम्युलेटर – नैदानिक परिदृश्य और आपातकालीन स्थितियों का प्रबंधन*

*यदि यह उपलब्ध है और इसमें उपरोक्त (1-8) शामिल हैं, तो व्यक्तिगत प्रशिक्षक/सिम्युलेटर की आवश्यकता नहीं है। 5-10 छात्रों के लिये एक हाई फाइडलिटी सिम्युलेटर की आवश्यकता होती है।

परिशिष्ट 2

मूल्यांकन दिशानिर्देश (सैद्धांतिक तथा प्रायोगिक)

I. सैद्धांतिक

A. आंतरिक मूल्यांकन

क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग (भाग I – क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग I के साथ-साथ क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग अभ्यास के मूल और भाग II – क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग II) – कुल अंक: 25

- प्रश्न पत्र और प्रश्नोत्तरी – 10 अंक
- लिखित कार्य – 10 अंक (क्रिटिकल केयर नर्सिंग अभ्यास से प्रासंगिक नैतिक आचार संहिता, क्रिटिकल केयर नर्सिंग/संक्रमण नियंत्रण प्रक्रियाओं में साक्ष्य आधारित कार्य (ईबीपी) पर साहित्यिक समीक्षा, गंभीर रूप से बीमार रोगियों की पोषण संबंधी देखभाल)
- सामूहिक परियोजना – 5 अंक

B. बाह्य/अंतिम परीक्षा

क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग (भाग I – क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग I के साथ-साथ क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग अभ्यास के मूल और भाग II – क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग II) – कुल अंक: 75

भाग I – 35 अंक (निबंध 1 × 15 = 15 अंक, लघु उत्तर 4 × 4 = 16 अंक, अति लघु उत्तर 2 × 2 = 4 अंक) और भाग II – 40 अंक (निबंध 1 × 15 = 15 अंक, लघु उत्तर 5 × 4 = 20 अंक, अति लघु उत्तर 5 × 1 = 5 अंक)

II. प्रायोगिक**A. आंतरिक मूल्यांकन – 75 अंक**

- वस्तुनिष्ठ संरचित नैदानिक परीक्षा (ओएससीई) – 25 अंक (पदस्थापन के अंत में ओएससीई – 10 अंक + वर्ष के अंत में आंतरिक ओएससीई – 15 अंक)
- अन्य अभ्यास : 50 अंक
 - a) प्रायोगिक कार्य – 20 अंक (नैदानिक प्रस्तुति और केस स्टडी रिपोर्ट – 5 अंक, परामर्श रिपोर्ट/दौरों की रिपोर्ट – 5 अंक, औषधीय अध्ययन रिपोर्ट – 5 अंक और स्वास्थ्य वार्ता – 5 अंक)
 - b) कार्यविधिक दक्षताओं और नैदानिक अर्हताओं के पूर्ण होने पर – 5 अंक
 - c) नैदानिक कार्य निष्पादन का निरंतर नैदानिक मूल्यांकन – 5 अंक
 - d) अंतिम अवलोकित अभ्यास परीक्षा (नैदानिक कार्य का वास्तविक निष्पादन) – 20 अंक

B. बाह्य/अंतिम परीक्षा – 150 अंक

वस्तुनिष्ठ संरचित नैदानिक परीक्षा (ओएससीई) – 50 अंक, अवलोकित अभ्यास – 100 अंक

विस्तृत दिशानिर्देश मार्गदर्शन पुस्तिका में दिये गये हैं।

परिशिष्ट 3

**नैदानिक लॉग बुक
(विशिष्ट कार्यविधिक दक्षताएं/नैदानिक कौशल)**

क्र.सं.	विशिष्ट दक्षताएं/कौशल	संपादित/सहायता प्रदान/अवलोकन किये गये – संख्या (पी/ए/ओ)	संकाय/ प्रीसेप्टर के हस्ताक्षर एवं दिनांक
I	क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग के मूल आधार		
1	रोगी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना	पी	
2	गंभीर रूप से बीमार रोगियों/उनके परिजनों के प्रशिक्षण हेतु रोगी प्रशिक्षण योजना तैयार करना	पी	
3	नर्सिंग अधिकारियों/स्टाफ नर्सों के लिये ड्यूटी रोस्टर तैयार करना	पी	
4	साहित्यिक समीक्षा/व्यवस्थित समीक्षा लेखन (साक्ष्य आधारित नर्सिंग मध्यवर्तन/प्रथाओं की पहचान करना)	पी	
5	प्रकाशन/पेपर प्रेजेंटेशन के लिये पांडुलिपि तैयार करना	पी	
6	ईबीपी परियोजना (सामूहिक परियोजना) – साक्ष्य आधारित नर्सिंग हस्तक्षेप पर कार्यान्वयन या शोध परियोजना (सामूहिक) विषय:	पी	
II	क्रिटिकल केयर स्पेशियलिटी नर्सिंग		
1	स्वास्थ्य आंकलन		
1.1	गंभीर रूप से बीमार वयस्क रोगियों के पूर्ववृत्त की जानकारी लेना और शारीरिक परीक्षण करना	पी	
1.2	गंभीर रूप से बीमार शिशु रोगियों के पूर्ववृत्त की जानकारी लेना और शारीरिक परीक्षण करना	पी	
1.3	तंत्रिका संबंधी (न्यूरोलॉजिकल) आंकलन	पी	
1.4	नवजात आंकलन	पी	
1.5	बर्न्स आंकलन	पी	
1.6	आपातकाल में कार्यवाही की प्राथमिकता का निर्धारण करना (ट्राइएजिंग)	पी	
2	नैदानिक प्रक्रियाएं		
2.1	इकोकार्डियोग्राम	ओ	

क्र.सं.	विशिष्ट दक्षताएं/कौशल	संपादित/सहायता प्रदान/अवलोकन किये गये – संख्या (पी/ए/ओ)	संकाय/ प्रीसेप्टर के हस्ताक्षर एवं दिनांक
2.2	अल्ट्रासाउंड	ओ	
2.3	सीटी स्कैन	ओ	
2.4	एमआरआई	ओ	
2.5	पेट स्कैन	ओ	
2.6	इंटरवीनस पाइलोग्राम	ओ	
2.7	ईईजी	ओ	
2.8	ब्रॉकोस्कोपी	ओ	
2.9	ईसीजी	पी	
2.10	प्रयोगशाला परीक्षणों के लिये रक्त का नमूना	पी	
3	सीसीयू में चिकित्सीय प्रक्रियाएं/विशिष्ट प्रक्रियाएं		
3.1	आईसीपी निगरानी	ए	
3.2	उन्नत जीवन समर्थन	ए	
3.3	छाती में ट्यूब लगाना	ए	
3.4	अंतःश्वासनलीय इंटुबेशन	ए	
3.5	सेंट्रल लाइन – सेंट्रल कैथेटर और पीआईसीसी इंसर्शन	ए/पी (संस्थागत प्रोटोकॉल के अनुसार)	
3.6	सेंट्रल कैथेटर और पीआईसीसी की देखभाल	पी	
3.7	आर्टिरियल लाइन	ए	
3.8	कार्डिएक पेसिंग	ए	
3.9	डीफिब्रिलेटर का उपयोग	पी	
3.10	एंडोस्कोपी	ए	
3.11	हेमोडायलिसिस	ए	
3.12	पेरिटोनियल डायलिसिस	ए	
3.13	पल्स ऑक्सीमेट्री	पी	
3.14	धमनीय रक्त चाप (बीपी) मापन	पी	
3.15	शिरापरक पहुंच— आईवी केनुला इंसर्शन	पी	
3.16	एबीजी विश्लेषण	पी	
3.17	ऑक्सीजन लगाना	पी	
3.18	अंतःश्वासनलीय सक्शन	पी	
3.19	श्वासनलीय सक्शन	पी	
3.20	ऑरोफरीन्जियल एयरवे का अनुप्रयोग	पी	
3.21	सीपीएपी	पी	
3.22	ट्रेक्रियोस्टोमी देखभाल	पी	
3.23	इंटरकोस्टल ड्रेनेज की देखभाल	पी	
3.24	गंभीर रूप से बीमार रोगियों के लिये मॉनिटर का उपयोग	पी	
3.25	पेट की पानी से धुलाई (गैस्ट्रिक लेवेज)	पी	
3.26	वेंटिलेटर सेटिंग	पी	

क्र.सं.	विशिष्ट दक्षताएं/कौशल	संपादित/सहायता प्रदान/अवलोकन किये गये – संख्या (पी/ए/ओ)	संकाय/ प्रीसेप्टर के हस्ताक्षर एवं दिनांक
3.27	ऑरोगैस्ट्रिक ट्यूब इंसरशन	पी	
3.28	बॉडी वार्मर का उपयोग	पी	
3.29	औषधि देना	पी	
3.30	इनफ्यूजन पम्प का प्रयोग	पी	
3.31	अंतःशिरिय चिकित्सा	पी	
3.32	रक्त और रक्त उत्पाद चढ़ाना	पी	
3.33	जले हुए रोगी की देखभाल करना	पी	
4	गंभीर रूप से बीमार रोगियों की देखभाल		
4.1	गंभीर रूप से बीमार रोगियों का प्रवेश और छुट्टी	पी	
4.2	शल्यचिकित्सा के बाद की देखभाल	पी	
4.3	रोगी शिक्षा और परामर्श	पी	
4.4	घर पर देखभाल	पी	
5	गुणवत्ता नियंत्रण		
5.1	गहन देखभाल इकाई में संक्रमण नियंत्रण के लिये मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करना	पी	
5.2	जले हुए रोगी के प्रबंधन के लिये मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करना	पी	
5.3	रक्ताधान के लिये मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करना	पी	
5.4	मृतप्राय को जीवित करने के लिये मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करना	पी	
5.5	इकाई का परीक्षण करना	पी	
6	अपूतिता (एसेप्सिस)		
6.1	रोगाणुनाशन/विसंक्रमीकरण	पी	
6.2	धूम्रीकरण	पी	
7	अन्य		
7.1	सहमति लेना	पी	
7.2	टीकाकरण	पी	
7.3	मार्गदर्शन और परामर्श	पी	

*छात्र के कौशल प्रदर्शन करने के लिये सक्षम पाये जाने पर इस पर संकाय द्वारा हस्ताक्षर किये जाएंगे।

छात्र: छात्रों से सूचीबद्ध कौशल/दक्षताओं का संपादन बार-बार करना तब तक अपेक्षित है जब तक कि वे स्तर-3 की दक्षता तक नहीं पहुंच जाते हैं, उसी के बाद संकाय द्वारा प्रत्येक दक्षता के समक्ष हस्ताक्षर किये जाएंगे।

संकाय: यह सुनिश्चित किया जाना चाहिये कि छात्रों के स्तर-3 तक पहुंचने पर ही प्रत्येक दक्षता के समक्ष हस्ताक्षर किये जाएं।

- स्तर-3 की योग्यता दर्शाती है कि छात्र बिना किसी पर्यवेक्षण के उस दक्षता का संपादन करने में सक्षम है।
- स्तर-2 की योग्यता दर्शाती है कि छात्र पर्यवेक्षण के साथ प्रत्येक दक्षता का संपादन करने में सक्षम है।
- स्तर-1 की योग्यता दर्शाती है कि छात्र पर्यवेक्षण के साथ भी उस कौशल/दक्षता का संपादन करने में सक्षम नहीं है।

परिशिष्ट 4
नैदानिक अर्हताएं

क्र.सं.	नैदानिक अर्हताएं	दिनांक	संकाय/प्रशिक्षक के हस्ताक्षर
1	स्वास्थ्य वार्ता (गहन देखभाल इकाई/आपातकालीन विभाग)		
1.1	विषय:		
1.2	विषय:		
2	रोगी और परिजनों को परामर्श देना परामर्श रिपोर्ट - 1		
3	स्वास्थ्य आंकलन		
3.1	स्वास्थ्य आंकलन (वयस्क) - पूर्ववृत्त और शारीरिक परीक्षण (तीन लिखित रिपोर्ट) 3.1.1. 3.1.2. 3.1.3.		
3.2	स्वास्थ्य आंकलन (शिशु) - पूर्ववृत्त और शारीरिक परीक्षण (दो लिखित रिपोर्ट) 3.2.1. 3.2.2.		
4	नैदानिक संगोष्ठी/जर्नल क्लब/नैदानिक सम्मेलन विषय:		
5	वृत्त अध्ययन/नैदानिक प्रस्तुति और रिपोर्ट - वयस्क गहन देखभाल इकाई - 1 तथा शिशु गहन देखभाल इकाई - 1 (नर्सिंग/इंटरडिसिप्लिनरी राउंड)		
5.1	नैदानिक स्थिति का नाम		
5.2	नैदानिक स्थिति का नाम		
6	औषधि अध्ययन, प्रस्तुति और रिपोर्ट (दो लिखित रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी हैं)		
6.1	औषधि का नाम:		
6.2			
6.3			
6.4			
7	गहन देखभाल इकाई की रूपरेखा तैयार करना		

कार्यक्रम समन्वयक/संकाय के हस्ताक्षर

विभागाध्यक्ष/प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर

परिशिष्ट 5
नैदानिक अनुभव विवरण

आईसीयू का नाम	नैदानिक अवस्था	देखभाल प्रदान किये गये दिनों की संख्या	संकाय/प्रशिक्षक के हस्ताक्षर

- v. 'Nurses Registration & Tracking System (NRTS)' means a system developed by the Council and software developed in association with National Informatics Centre (NIC), Government of India, and hosted by NIC for the purpose of maintenance and operation of the Indian Nurses Register. It has standardised forms for collection of the data of Registered Nurse and Registered Midwife (RN & RM)/ Registered Auxiliary Nurse Midwife (RANM)/Registered Lady Health Visitor (RLHV) upon Aadhar based biometric authentication;
- vi. 'NUID' is the Nurses Unique Identification Number given to the registrants in the NRTS system;
- vii. 'General Nursing and Midwifery (GNM)' means Diploma in General Nursing and Midwifery qualification recognized by the Council under Section 10 of the Act and included in Part-I of the Schedule of the Act.

POST BASIC DIPLOMA IN CRITICAL CARE SPECIALTY NURSING - RESIDENCY PROGRAM

I. INTRODUCTION

The National Health Policy document (NHP, 2017) emphasizes the need to expand tertiary care services, prepare specialist nurses and standardization of clinical training for nurses. Responding to this, the Council planned to redesign the existing specialty nursing programs making it as a one-year post basic diploma residency programs utilizing competency-based training approach. The existing one-year post basic diploma in Critical Care Nursing of the Council is being reframed as a residency program using revised guidelines that aim to prepare critical care specialist nurses who can provide competent care to critically ill patients at the institutional levels, whose diagnostic, treatment and care needs are complex.

Critical care medicine has evolved rapidly, alongside nursing too has rapidly progressed. The emerging trauma scenario and disaster events of mass nature are adding significant strain on the individual's life as well as the family and the social system. It affects all strata of population. It is essential for the health care system to meet such needs in a specialized manner.

Critical care nursing is an emerging specialty which emphasizes on the skills of nurses in caring for critically ill patients. The number of patients who require intensive care are on the rise. Nurses need to be efficient and competent to care for these patients. Advanced skills in managing airway, breathing, and circulation is a mandate for the nurses to handle patients during an emergency situation. Patient's needs like nutrition, communication, end of life care etc. need to be focused for better quality care of patients. Family care is also another major component which is neglected at times. A nurse working in a critical care area should be equipped in counselling skills to meet the family needs in terms of emotional and social aspects. The critical care specialist nurses play a great role in the effective management of critically ill patients.

II. PHILOSOPHY

The Council believes that registered nurses need to be further trained as specialist nurses to function in various emerging speciality areas of practice and the training should be competency based. One such area that demands specialist nurses is critical care nursing. Expanding roles of nurses and advances in critical care alongside technology necessitates additional training to prepare nurses with specialized skills and knowledge to deliver competent, intelligent and appropriate care to critically ill patients.

III. CURRICULAR FRAMEWORK

The Post Basic Diploma in Critical Care Specialty Nursing is a one year residency program and its curriculum is conceptualized encompassing foundational short courses and major specialty courses for specialty nursing practice.

The foundations to critical care nursing practice such as professionalism, communication, patient education & counselling, clinical leadership & resource management, and evidence based & applied research are short courses that aim to provide the students with the knowledge, attitude and competencies essential to function as accountable, safe and competent specialist nurses. The major specialty courses are organized under Critical Care Specialty Nursing I and Critical Care Specialty Nursing II. Critical Care Specialty Nursing I includes context/ introduction to critical care nursing, basic sciences applied to critical care nursing (application of basic science knowledge in the diagnosis and treatment of clinical conditions under critical care nursing specialty). Critical Care Specialty Nursing II includes nursing management of specific clinical conditions comprising assessment, diagnosis, treatment and specialized

interventions and patient safety and quality including specialty/illness considerations. The curricular framework for this residency program is illustrated in the following figure-1.

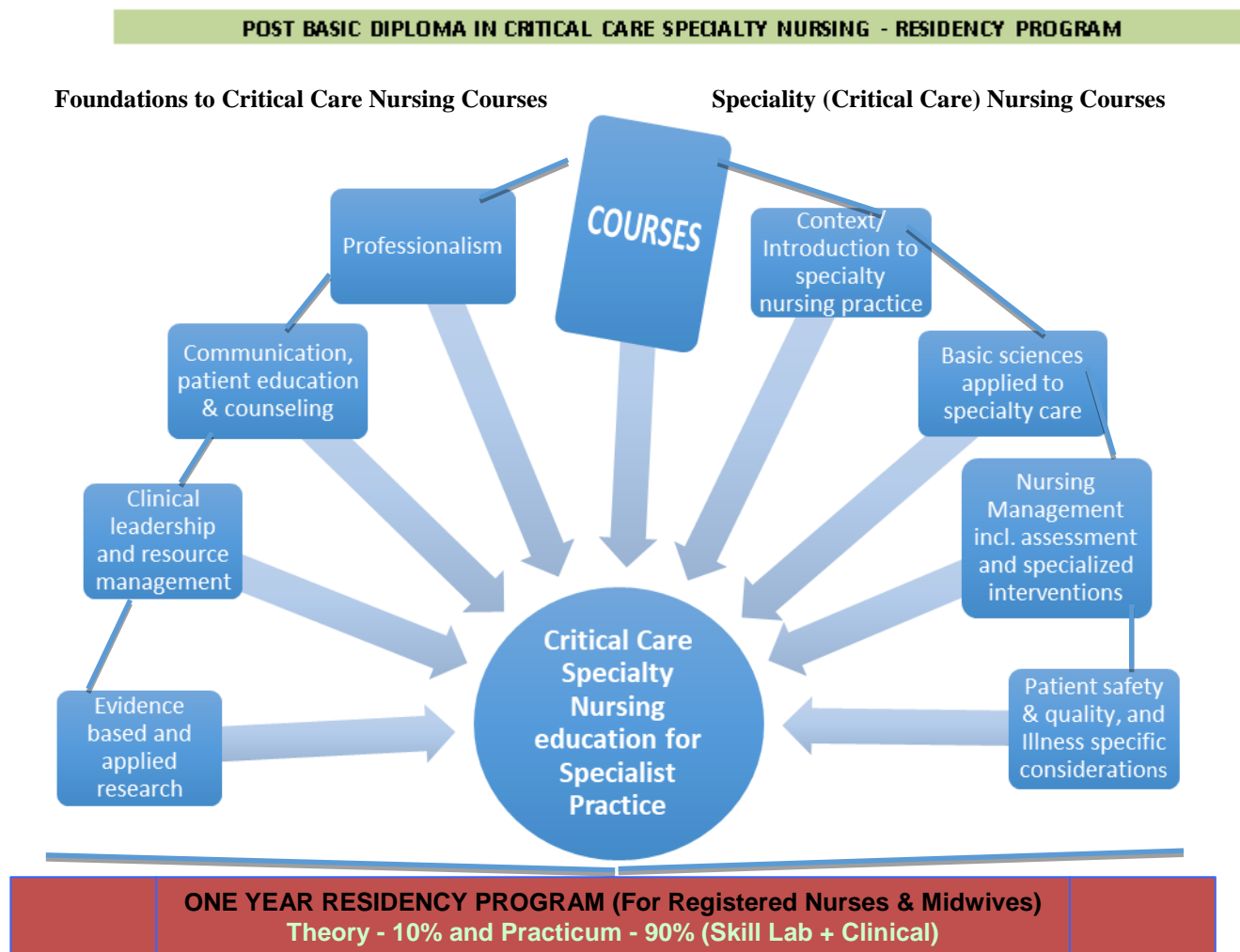


Figure-1. Curricular Framework: Critical Care Specialty Nursing - Residency Program

IV. AIM/PURPOSE & COMPETENCIES

Aim

The program is designed to prepare nurses with specialized skills, knowledge, and attitude in providing high quality and standards of care to critically ill patients in tertiary/quaternary hospitals. It further aims to prepare technically qualified and trained critical care specialist nurses who will manage and supervise care of critically ill patients and involve in the education of health care team members and in research to produce evidence for better care.

Competencies

On completion of the program, the critical care specialist nurse will be able to:—

1. Demonstrate professional accountability for the delivery of nursing care as per the Council standards that is consistent with moral, altruistic, legal, ethical, regulatory and humanistic principles in critical care nursing practice.
2. Communicate effectively with patients, families and professional colleagues fostering mutual respect and shared decision making to enhance health outcomes.
3. Educate and counsel patients and families to participate effectively in treatment and care and enhance their coping abilities through crisis and bereavement.
4. Demonstrate understanding of clinical leadership and resource management strategies and use them in critical care settings promoting collaborative and effective teamwork.

5. Identify, evaluate and use the best current evidence in critical care and treatment coupled with clinical expertise and consideration of patient's preferences, experience and values to make practical decisions in critical care nursing practice.
6. Participate in research studies that contribute to evidence-based interventions with basic understanding of research process in critical care nursing.
7. Apply basic sciences in the assessment, diagnosis and treatment of the physiological, physical, psychological, social and spiritual problems of patients with critical conditions and their families.
8. Demonstrate skills in basic and advanced life support.
9. Apply nursing process in caring for patients with critical conditions.
10. Demonstrate specialized practice competencies/skills relevant in providing care to critically ill patients under different treatment regimes.
11. Practice infection control and patient safety protocols.
12. Conduct clinical audit and participate in quality assurance activities in critical care units.
13. Identify treatment related adverse effects and emergencies and manage them effectively.
14. Understand the method of drug procurement, storage, administering and maintenance of all categories of medication and demonstrate sound practice.
15. Provide palliative care to patients with emphasis to end of life care promoting comfort and dignity respecting individual cultural and spiritual needs and differences.
16. Conduct training programs for various categories of nursing personnel.
17. Participate in research to promote evidence based critical care nursing practice.

V. PROGRAM DESCRIPTION AND SCOPE OF PRACTICE

The Post Basic Diploma in Critical Care Specialty Nursing is a one-year residency program designed to prepare registered nurses (GNM or B.Sc.) with specialized knowledge, skills and attitude in providing advance quality care to critically ill patients and their families. Emphasis is laid on clinical competency with relevant theory with a main focus on competency-based training. Theory includes foundational courses and specialty courses besides practicum. The theory component comprises 10% and practicum 90% (Clinical & Lab).

On completion of the program and certification, and registration as additional qualification with respective SNRC, the critical care specialist nurses should be employed only in any critical care unit of a multi-specialty hospital. They will be able to practice as per the competencies trained during the program particularly the specialized procedural competencies/clinical skills as per the log book of the Council syllabus. The specialist nurses can be privileged to practice those specialized procedural competencies by the respective institution as per institution protocols. Specialist nurse cadres/positions should be created at government/public/private sectors. The diploma will be awarded by respective Examination Board/SNRC/University approved by the Council.

VI. MINIMUM REQUIREMENTS/GUIDELINES FOR STARTING THE POST BASIC DIPLOMA IN CRITICAL CARE SPECIALTY NURSING - RESIDENCY PROGRAM

The program may be offered at

1. College of Nursing offering degree programs in nursing attached to parent specialty hospital/tertiary hospital having minimum of 200 beds with advanced diagnostic, therapeutic and state of the art critical/intensive care units with optimum monitoring and life support equipment/facilities required to provide effective care to patients with critical conditions and specialized nursing care facilities.

OR

Hospitals offering DNB/Fellowship programs in critical care having minimum of 200 beds with advanced diagnostic, therapeutic and state of the art critical care/intensive care units with optimum monitoring and life support equipment/facilities required to provide effective care to patients with critical conditions and specialized nursing care facilities.

2. The above eligible institution shall get recognition from the concerned SNRC for Post Basic Diploma in Critical Care Specialty Nursing for the particular academic year, which is a mandatory requirement.
3. The Council shall after receipt of the above documents/proposal would then conduct statutory inspection of the recognized training nursing institution under Section 13 of the Act in order to assess the suitability with regard to availability of teaching faculty, clinical and infrastructural facilities in conformity with Regulations framed under the provisions of the Act.

1. Nursing Teaching Faculty

- a. Full time teaching faculty in the ratio of 1:10.
- b. Minimum number of faculty should be two.

- c. *Qualification and Number:*
- i. M.Sc. Nursing with Medical Surgical Nursing/Critical Care Specialty Nursing/NPCC-1 (M.Sc. in Critical Care Nursing or NPCC are preferred)
 - ii. Post Basic Diploma in Critical Care Specialty Nursing with Basic B.Sc. Nursing/P.B.B.Sc. Nursing-1
- d. *Experience:* Minimum three years of clinical experience in Critical Care Specialty Nursing.
- e. *Guest Faculty:* Multi-disciplinary in related specialities.
- f. *Preceptors:*
- *Nursing Preceptor:* Full time qualified GNM with six years of experience in Critical Care Specialty Nursing or B.Sc. Nursing with two years' experience in Critical Care specialty nursing or M.Sc. Nursing with one year of Critical Care Specialty Nursing experience working in any of the critical/intensive care unit.
 - *Medical Preceptor:* Specialist (Intensivist) doctor with PG qualification (with 3 years' post PG experience/faculty level/consultant level preferable).
 - *Preceptor Student Ratio:* **Nursing** 1:10, **Medical** 1:10 (Every student must have a medical and nursing preceptor)

2. Budget

There should be budgetary provision for staff salary, honorariums for guest faculty, and part time teachers, clerical assistance, library and contingency expenditure for the program in the overall budget of the institution.

3. Physical and Learning Resources at Hospital/College

- a. One classroom/conference room at the clinical area.
 - b. Skill lab for simulated learning at hospital/college. **Skill Lab Requirements are listed in Appendix-1.**
 - c. Library and computer facilities with access to online journals:
 - i. College library having current books, journals and periodicals related to critical care nursing specialty, anatomy & physiology, microbiology, pharmacology, pathophysiology, Nursing Administration, Nursing Education, Nursing Research and Statistics.

OR

Permission to use medical college/hospital library having current books, journals and periodicals related to Critical Care Specialty Nursing, anatomy & physiology, microbiology, pharmacology, pathophysiology, Nursing Administration, Nursing Education, Nursing Research and Statistics.
 - ii. Computer with internet facility.
- d. E-Learning facilities
- e. Teaching Aids - Facilities for use of:
 - i. Overhead Projectors,
 - ii. Video viewing facility,
 - iii. LCD Projector,
 - iv. CDs, DVDs and DVD players,
 - v. Appropriate equipment, manikins and simulators for skill learning.
- f. Office facilities:
 - i. Services of typist, peon, Safai Karmachari.
 - ii. Facilities for office, equipment and supplies such as
 - Stationery,
 - Computer with printer,
 - Xerox machine,
 - Telephone and Fax.

4. Clinical Facilities

- a. Parent specialty hospital/tertiary hospital having minimum of 200 beds with advanced diagnostic, therapeutic and state of the art critical/intensive care units with optimum monitoring and life support equipment/facilities required to provide effective care to patients with critical conditions and specialized nursing care facilities.
- b. Regional centres/critical care (Cardiac/cardiothoracic, medical, surgical, neuro ICU etc.) specialty hospitals having minimum of 200 beds with advanced diagnostic, therapeutic and state of the art critical/intensive care units with optimum monitoring and life support equipment/facilities required to provide effective care to patients with critical conditions and specialized nursing care facilities.
- c. Hospital must have a minimum of 20 CCU/ICU beds with advanced diagnostic, treatment and care facilities.
- d. Nurse staffing of units as per the Council recommended norms.
- e. *Student patient ratio:* 1:1-2.

5. Admission Terms and Conditions/Entry Requirements

The student seeking admission to this program should:

- a. Be a registered nurse (RN & RM) or equivalent with any SNRC having NUID number.
- b. Possess a minimum of one-year clinical experience as a staff nurse preferably in the critical care unit prior to enrolment.
- c. Be physically fit.
- d. Selection must be based on the merit obtained in an entrance examination and interview held by the competent authority.
- e. Nurses from other countries must obtain an equivalence certificate from the Council before admission.

6. Number of Seats:

For hospital having 200 beds and 20 CCU/ICU beds, number of seats = 10-20,

For hospital having 500 beds and more with 30 CCU/ICU beds, the number of seats = 15-30.

7. Number of Candidates:

1 candidate for 1-2 specialty beds.

8. Salary:

- a. In-service candidates will get regular salary.
- b. Stipend/Salary for the other candidates as per the salary structure of the hospital where the program is conducted.

VII. EXAMINATION REGULATIONS AND CERTIFICATION**EXAMINATION REGULATIONS**

Examining and Diploma Awarding Authority: Respective Examination Board/SNRC/University approved by the Council.

1. Eligibility for appearing for the Examination

- a. *Attendance:* Theory & Practical - 80%. However, 100% Clinical attendance have to be completed prior to certification.
- b. Candidate who successfully completes the necessary requirements such as log book and clinical requirements is eligible and can appear for final examination.

2. Practical Examination

- a. *OSCE:* Objective Structured Clinical Examination (OSCE) type of examination will be conducted alongside viva (oral examination) both in the internal and final examination. (Detailed guidelines are given in guidebook.)

- b. *Observed Practical/Clinical*: Final internal and external examination will also include assessment of actual clinical performance in real settings including viva and mini clinical evaluation exercise for 3-4 hours (Nursing process application and direct observation of procedural competencies). Minimum period of assessment in the clinical area is 5-6 hours. (Evaluation guidelines are given in guidebook.)
- c. Maximum number of students per day = 10 students
- d. Practical Examination should be held in clinical area only
- e. The team of practical examiners will include one internal examiner [(M.Sc. faculty with two years of experience in teaching the respective specialty program/M.Sc. faculty (Medical Surgical/Critical Care Nursing/NPCC) with 5 years of Post PG experience], one external examiner (nursing faculty with the same qualification and experience stated as above) and one medical internal examiner who should be preceptor for specialty program.
- f. The practical examiner and the theory examiner should be the same nursing faculty.

3. Standard of Passing

- a. In order to pass, a candidate should obtain at least 60% marks in aggregate of internal assessment and external examination both together, in each of the theory and practical papers. Less than 60 % is considered fail.
- b. Students will be given opportunity of maximum of 3 attempts for passing.
- c. If the student fails in either theory or practical, he/she needs to appear for the exam failed either theory or practical only.

CERTIFICATION

- a. TITLE: Post Basic Diploma in Critical Care Specialty Nursing
- b. A diploma is awarded by Examination Board/SNRC/University approved by the Council, upon successful completion of the prescribed study program, which will state that
 - i. Candidate has completed all the courses of study under the Post Basic Diploma in Critical Care Specialty Nursing - Residency Program
 - ii. Candidate has completed 80 % theory and 100% clinical requirements
 - iii. Candidate has passed the prescribed examination.

VIII. SCHEME OF EXAMINATION

Courses	Int. Ass. Marks	Ext. Ass. Marks	Total Marks	Exam Hours
A. Theory (Experiential/Residential Learning)				
Critical Care Specialty Nursing (Part I & Part II) {Part I - Critical Care Specialty Nursing I including Foundations to Critical Care Specialty Nursing practice, Part II - Critical Care Specialty Nursing II}	25 (10+15)	75 (35+40)	100	3
B. Practicum (Critical Care Specialty Nursing)				
<ul style="list-style-type: none"> • OSCE including Viva • Observed Practical/Clinical (Direct observation of actual performance at real settings) including viva - mini clinical evaluation exercise for 3-4 hours (Nursing process application and direct observation of procedural competencies) 	75 (25+50) (OSCE-25 & Observed Practical-50)	150 (50+100) (OSCE-50 & Observed Practical-100)	225	Minimum 5-6 hours in the clinical area
Grand Total	100	225	325	

IX. PROGRAM ORGANIZATION/STRUCTURE

1. Courses of Instruction
2. Implementation of Curriculum
3. Clinical Practice (Residency Posting)
4. Teaching Methods
5. Methods of Assessment
6. Log Book & Clinical Requirements.

1. Courses of Instruction - Delivered through mastery of learning (Skill Lab Practice) and experiential learning (Clinical Practice) approaches

Unit	Courses	Theory (hours)	Lab/Skill Lab (hours)	Clinical (hours)
I	Foundations to Critical Care Specialty Nursing Practice 1. Professionalism 2. Communication, patient education and counseling in specialty nursing 3. Clinical leadership and resource management in the specialty care setting 4. Evidence based and applied research in specialty nursing	40		
II	Critical Care Specialty Nursing Courses Critical Care Specialty Nursing I 1. Context/Introduction to specialty nursing 2. Basic sciences applied to specialty care - diagnosis and treatment of clinical conditions (Anatomy & Physiology, Microbiology, Pharmacology & Pathophysiology)	50	10	
	Critical Care Specialty Nursing II 3. Nursing management of clinical conditions including assessment, diagnosis, treatment and specialized interventions 4. Patient safety and quality 5. Specialty/Illness specific considerations (Supportive care/palliative care/rehabilitation, Impact of illness on individual, family and community)	110	30	1730
	TOTAL = 1970 hours	200 (5 weeks)	40 (1 week)	1730 (38 weeks)

Total weeks available in a year: 52 weeks (Theory - 10% and Skill Lab + Clinical - 90%)

- Annual Leave + Casual Leave + Sick Leave + Public Holidays = 6 weeks
- Exam preparation and Exam = 2 weeks
- Theory and Practical = 44 weeks

2. Implementation of the Curriculum

Block classes - 2 weeks × 40 hours per week = 80 hours,

Residency - 42 weeks × 45 hours per week = 1890 hours

Total: 1970 hours

- Block classes (Theory and Skill Lab Experience = 2 weeks × 40 hours per week (80 hours) (Theory = 74 hours, Skill Lab = 6 hours. Total = 80 hours)
- Clinical practice including Theory and Skill Lab = 42 weeks × 45 hours per week (1890 hours) (Theory = 126 hours, Skill Lab = 34 hours, Clinical = 1730 hours. Total = 1890 hours)

Theory = 200 (74+126) hours, Skill Lab = 40 (6+34) hours, Clinical = 1730 hours

126 hours of theory and 34 hours of skill lab learning can be integrated during clinical experience. Mastery learning and experiential learning approaches are used in training the students throughout the program. Skill lab requirements are listed in Appendix 1.

3. Clinical Practice (Residency Postings)

Clinical Residency Experience: A minimum of 45 hours per week is prescribed, however, it is flexible with different shifts and OFF followed by on call duty every week or fortnight.

Clinical Placements: The students will be posted to the under mentioned clinical area during their training period:

S.No.	Clinical Area	Week(s)
1	Emergency care unit	4
2	Coronary and cardiothoracic intensive care unit	6
3	Medical intensive care unit (Respiratory, renal, gastroenterology, endocrine)	10
4.	Neurological intensive care unit	6
5.	Surgical intensive care unit	10
6.	Paediatric intensive care unit	4
7.	Burns ICU and plastic surgery unit	2
	TOTAL	42

The residency students will follow the same duty schedule as staff nurses/nursing officers with different shift duties. In addition to that, for 40 weeks, 4 hours every week is dedicated for their learning that can be offered for theory and skill lab practice (For example: faculty lecture - 1 hour, nursing & interdisciplinary rounds - 1 hour, clinical presentations, case study report, clinical assignments - 1 hour and skill lab practice - 1 hour) to cover a total of 126 hours of theory and 34 hours of skill lab practice. A small group research project (Research/QI) can be conducted during clinical posting applying the steps of research process and written report to be submitted.

4. Teaching Methods

Theoretical, Skill Lab & Clinical teaching can be done in the following methods and integrated during clinical posting

- Case/Clinical presentation
- Case study report
- Drug study and presentation
- Bedside clinic/Nursing rounds/Interdisciplinary rounds
- Clinical seminars/Conference
- Journal clubs
- Faculty lecture and Discussion in the clinical area
- Demonstration and Skill training in skill lab and at bedside
- Directed reading/Self study
- Role play
- Symposium/Group presentation
- Group research project
- Clinical assignments/Term papers
- Workshops
- Patient engagement exercise (engaging patients in care decisions to improve health outcomes using information technology) for example discharge planning and follow-up.
- Educational visits to regional critical care/stem cell centre and palliative care centres.

5. Methods of assessment

- Written test
- Practical test
- Written assignments
- Project
- Case studies/care plans/ clinical presentation
- Clinical performance evaluation

- Completion of clinical procedural competencies and clinical requirements

For assessment guidelines refer Appendix-2

6. Log Book and Clinical Requirements

At the end of each clinical posting, Clinical Log Book (Specific Procedural Competencies/Clinical Skills) (**Appendix 3**), Clinical Requirements (**Appendix 4**) and clinical experience details (**Appendix 5**) have to be signed by the concerned clinical faculty/preceptor.

X. COURSE SYLLABUS

1. FOUNDATIONS TO CRITICAL CARE NURSING PRACTICE PROFESSIONALISM, COMMUNICATION, PATIENT EDUCATION & COUNSELING, CLINICAL LEADERSHIP & RESOURCE MANAGEMENT AND EVIDENCE BASED AND APPLIED RESEARCH IN CRITICAL CARE NURSING PRACTICE

Total Theory: 40 hours

Course description: This course is designed to develop an understanding of professionalism, communication, patient education and counselling, clinical leadership and resource management and evidence based and applied research in critical care nursing practice.

COURSE CONTENT

Unit	Time (hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching / Learning Activities	Assignments/ Assessment Methods
I	3 (T)	Demonstrate understanding of professionalism and exhibit professionalism in the practice of critical care nursing	Professionalism <ul style="list-style-type: none"> • Professionalism - meaning and elements - accountability, knowledgeable, visibility and ethics in critical care nursing specialty practice • Professional values and professional behaviour • Indian Nursing Council (INC) Code of ethics, code of professional conduct and practice standards • Ethical issues related to critical care nursing • Expanding role of Nurse - Nurse practitioner • Professional organizations • Continuing nursing education 	<ul style="list-style-type: none"> • Discussion 	<ul style="list-style-type: none"> • Write about code of ethics related to critical care nursing
II	3 (T)	Describe medico-legal aspects of critical care nursing	Medico-Legal Issues <ul style="list-style-type: none"> • Legislations and regulations related to critical care nursing • Consumer protection act • Negligence & malpractice • Medico-legal aspects • Records & reports • Legal responsibilities of critical care specialist nurses 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture 	<ul style="list-style-type: none"> • Maintain record of patients
III	12 (T)	Communicate effectively with critical care patients, families	Communication <ul style="list-style-type: none"> • Channels and Techniques of communication 	Module: Communication	

Unit	Time (hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching / Learning Activities	Assignments/ Assessment Methods
		and professional colleagues fostering mutual respect and shared decision making to enhance health outcomes. Educate and counsel patients and families to participate effectively in treatment and care	<ul style="list-style-type: none"> • Breaking bad news to patients and relatives with critical care conditions and disorders with poor prognosis • Culturally sensitive communication • Information technology tools in support of communication • Team communication <p>Patient & Family Education</p> <ul style="list-style-type: none"> • Principles of teaching and learning • Principles of health education • Assessment of informational needs and patient education • Developing patient education materials 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture • Breaking bad news - Role play • Peer teaching • Patient engagement exercise, e.g. Discharge planning 	<ul style="list-style-type: none"> • Digital records • Conduct a group health education program for the patients with critical care disorders
IV	12 (T)	Demonstrate understanding of clinical leadership and management strategies and use them in critical care settings promoting collaborative and effective teamwork	<p>Counselling</p> <ul style="list-style-type: none"> • Counseling techniques • Patient and family counseling during breaking bad news, intensive treatment, crisis intervention and end of life stage <p>Clinical Leadership & Resource Management</p> <ul style="list-style-type: none"> • Leadership & Management • Elements of management of Critical care nursing care - planning, organizing, staffing, reporting, recording and budgeting • Clinical leadership and its challenges • Delegation • Managing human resources in critical care units • Material management • Designing of an ideal critical care unit • Emotional intelligence and self-management skills • Working as interdisciplinary team member • Participation in making policies relevant to care of critical care patients 	<ul style="list-style-type: none"> • Counselling sessions • Lecture • Module: Accreditation & Practice Standards 	<ul style="list-style-type: none"> • Prepare patient education materials on relevant topic • Plan a duty roster for the junior nursing officers/Staff nurses working in the critical care unit • Assignment on designing of ideal critical care unit • Develop SOPs for critical care nursing practice in CCU/ICU

Unit	Time (hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching / Learning Activities	Assignments/ Assessment Methods
		Conduct clinical audit and participate in quality assurance activities in critical care unit	Quality Assurance program in Critical care unit <ul style="list-style-type: none"> • Nursing audit • Nursing standards • Quality assurance 		
V	10 (T)	Describe research process and perform basic statistical tests Apply evidence based/best practices in professional practice	Evidence based and application of research <ul style="list-style-type: none"> • Introduction to nursing research and research process • Data presentation, basic statistical tests and its application • Research priorities in critical care nursing • Formulation of problem /question that are relevant to critical care nursing practice • Review of literature to identify evidence based/best practices in critical care nursing practice • Implementation of evidence-based interventions in daily professional practice • Ethics in research 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture • Module: Writing of scientific paper 	<ul style="list-style-type: none"> • Preparation of statistical data of critical care unit for last five years • Conduct literature review on critical care nursing interventions/ Evidence based practice project

2. CRITICAL CARE SPECIALTY NURSING I

CONTEXT/INTRODUCTION TO CRITICAL CARE NURSING & BASIC SCIENCES APPLIED TO CRITICAL CARE NURSING PRACTICE (Applied Psychology and Sociology, Anatomy & Physiology, Microbiology, Pharmacology & Pathophysiology)

Theory: 50 hours & Lab: 10 hours

Course description: This course is designed to help students to develop understanding and in-depth knowledge regarding the context of critical care provision and application of basic sciences in the diagnosis and treatment of patients suffering from critical care conditions.

COURSE CONTENT

Unit	Time (hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning Activities	Assignments/ Assessment Methods
I	6 (T)	Explain the concepts, principles, and scope of critical care nursing and role of critical care specialist nurses Demonstrate skill in setting up of Critical care unit	Introduction to Critical Care Nursing <ul style="list-style-type: none"> • Historical review • Concepts of critical care nursing • Principles of critical care nursing • Scope of critical care nursing • Role of critical care specialist nurses • Critical care unit set up including 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture • Discussion • Demonstration 	<ul style="list-style-type: none"> • Assignment on drawing an ideal ICU • Return demonstration

Unit	Time (hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning Activities	Assignments/ Assessment Methods
		including monitors, equipment, and ventilators	equipment and supplies <ul style="list-style-type: none"> • Types of monitors, ventilators, computers in ICU • Management of ICU • Various clinical bundles in critical care 	on setting up of a monitor, infusion and syringe pump	on setting up of a monitor, infusion and syringe pump
II	6 (T) 2 (L)	Describe the hospital acquired infections (HAI) in ICU and demonstrate the strategies to prevent HAIs	Infection Control in Intensive Care Unit <ul style="list-style-type: none"> • <i>Hospital Acquired Infections (HAIs) in intensive care unit:</i> Ventilator Associated Pneumonia (VAP), Catheter Line Associated Blood Stream Infection (CLABSI), Catheter Associated Urinary Tract Infection (CAUTI) • <i>Multi Drug Resistant Organism (MDRO):</i> Methyl Resistant Staphylococcus Aureus (MRSA), Carpenem Resistant Organisms (CRO), Vancomycin Resistant Enterococcus (VRE) • Disinfection & Sterilization in ICU • Microbiological Surveillance • Standard Precautions, Prophylaxis for staff 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture • Discussion • Demonstration on care bundles to prevent HAI 	<ul style="list-style-type: none"> • Assignment on protocol on care of patients with Multi Drug Resistant Organisms
III	10 (T) 2 (L)	Elaborate on applied anatomy and physiology of various systems such as Neurological system, Respiratory system, Gastrointestinal system, Endocrine system, Genitourinary system, Reproductive system & Sensory organs	Applied Anatomy & Physiology Review <ul style="list-style-type: none"> • Neurological system • Respiratory system • Cardiovascular system • Gastrointestinal system • Endocrine system • Musculoskeletal system • Genitourinary system • Reproductive system • Sensory organs 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture • Discussion • Video show 	<ul style="list-style-type: none"> • Quiz
IV	8 (T)	Explain the pharmacotherapeutic agents used in critical care	Pharmacology Review <ul style="list-style-type: none"> • Pharmacokinetics • Principles of drug administration, 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture • Discussion 	<ul style="list-style-type: none"> • Drug book • Quiz on Calculation of inotropes

Unit	Time (hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning Activities	Assignments/ Assessment Methods
			<p>role of nurses and care of drugs</p> <ul style="list-style-type: none"> • Drugs used in adult critical care unit • Toxicology: Antidote • Pediatric dosages and implications of critical care drugs on children • Pharmacotherapeutics in obstetrics • Adverse Drug reaction & toxicity 		<ul style="list-style-type: none"> • Drug Presentation
V	6 (T) 2 (L)	<p>Elaborate on psycho-physiological and psychosocial impact of critical care unit on patients</p> <p>Describe the dynamics of healing in critical care</p>	<p>Concept of Holistic Care applied to Critical Care Nursing Practice:</p> <p>Psychophysiological & Psychosocial impact of critical care unit on patients</p> <ul style="list-style-type: none"> • Risk factors, Assessment of patients, critical care psychosis, Prevention & nursing care for patients affected with psychophysiological & psychosocial problems of critical care unit, caring for the patient's family, family teaching. <p>The dynamics of healing in critical care unit</p> <ul style="list-style-type: none"> • Dynamics of touch, Relaxation, Spirituality and Prayer, Massage, Music therapy, Guided Imagery • Stress and burnout syndrome among health team members 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture • Discussion 	<ul style="list-style-type: none"> • Case study presentation
VI	4 (T)	<p>Explain the principles of pain management in critically ill patients</p>	<p>Pain Management</p> <p>Pain & sedation in critically ill patients</p> <ul style="list-style-type: none"> • Theories of pain • Types of pain • Pathophysiology of pain • Pain assessment • Systemic responses to pain • Pain management • Sedation in critically ill patients • Placebo effect 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture • Discussion • Demonstration • Assessment of pain and sedation 	<ul style="list-style-type: none"> • Assignment on placebo effect
VII	8 (T) 4 (L)	<p>Explain nutritional management of patients with critical illness</p>	<p>Nutritional Management in the critically ill patient</p> <ul style="list-style-type: none"> • Assessing nutritional status of patient • Implications of undernourishment in critically ill patients 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture • Discussion • Demonstration 	<ul style="list-style-type: none"> • Return Demonstration

Unit	Time (hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning Activities	Assignments/ Assessment Methods
			<ul style="list-style-type: none"> • Fluid & electrolyte management • Administering nutrition support • Therapeutic diet - various disease conditions, total parenteral and enteral nutrition. 	on connecting TPN <ul style="list-style-type: none"> • Self-study on supplementation along with TPN and jejunostomy schedule 	
VIII	2 (T)	Demonstrate skill in providing care for dying patients and provide counselling	Care of Dying Patients <ul style="list-style-type: none"> • Spiritual support to the dying • Grief and grieving process • Bereavement support • Organ donation & counselling • Care of dead 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture • Group discussion 	<ul style="list-style-type: none"> • Case presentation

3. CRITICAL CARE SPECIALTY NURSING II

NURSING MANAGEMENT OF CLINICAL CONDITIONS INCLUDING ASSESSMENT, DIAGNOSIS, TREATMENT AND SPECIALIZED INTERVENTIONS, PATIENT SAFETY AND QUALITY AND SPECIALTY/ILLNESS SPECIFIC CONSIDERATIONS (Supportive Care/Palliative Care/Rehabilitation)

Theory: 110 hours & Lab: 30 hours

Course description: This course is designed to help students to develop knowledge and competencies required for assessment, diagnosis, treatment, nursing management, and supportive /palliative care to patients with various critical conditions.

COURSE CONTENT

Unit	Time (hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning Activity	Assignments/ Assessment Methods
I	10 (T)	Demonstrate skill in assessing GI system of critically ill patient Describe the causes, pathophysiology, clinical types, diagnosis, prognosis, and management: medical, surgical and demonstrate skill in providing nursing care for patients with gastrointestinal disorders	GASTROINTESTINAL SYSTEM <ul style="list-style-type: none"> • Assessment and Monitoring of GI system Monitoring of Nutritional status, Intra-abdominal pressure, various imaging studies • Common Gastrointestinal disorders <ul style="list-style-type: none"> – Acute Gastrointestinal Bleeding – Hepatic Disorders - Fulminant hepatic failure & Hepatic encephalopathy – Acute Abdomen – Acute pancreatitis, Acute intestinal obstruction – Perforative peritonitis – Intra-abdominal hypertension. 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture cum Discussion 	<ul style="list-style-type: none"> • Case Presentation

Unit	Time (hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning Activity	Assignments/ Assessment Methods
			<ul style="list-style-type: none"> • Management Modalities <ul style="list-style-type: none"> – Liver Transplant 		
II	9 (T) 5 (L)	Describe the causes, pathophysiology, clinical types, clinical features, diagnosis, prognosis, and management: medical, surgical and demonstrate skill in providing nursing care for patients with renal disorders	RENAL SYSTEM <ul style="list-style-type: none"> • Assessment and diagnostic studies • Common renal disorders <ul style="list-style-type: none"> – Acute Kidney Injury (AKI) – Chronic Renal failure – Acute tubular necrosis • Management Modalities <ul style="list-style-type: none"> – Hemodialysis – Peritoneal Dialysis – Continuous Ambulatory Peritoneal Dialysis – Continuous arterio venous hemodialysis – Renal Transplant. 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture cum Discussion • Demonstration on starting & connecting hemodialysis & Peritoneal dialysis 	<ul style="list-style-type: none"> • Return demonstration
III	10 (T) 5 (L)	Demonstrate skill in assessing nervous system of critically ill patient Explain the Causes, pathophysiology, clinical types, clinical features, diagnosis, prognosis, and management: medical, surgical and nursing management of various neurological disorders	NERVOUS SYSTEM <ul style="list-style-type: none"> • Assessment and diagnostic test: Bi spectral Index monitoring, Train of Four Monitoring, Intra cranial Pressure (ICP) Monitoring, Monitoring of brain stem reflexes • Common neurological disorders <ul style="list-style-type: none"> – Cerebrovascular disease – Cerebrovascular accident – Seizure disorders – Guillain-Barre Syndrome – Myasthenia Gravis – Problems related to thermoregulation: Hypothermia & Hyperthermia – Unconsciousness – Persistent vegetative state – Coma – Intracranial Hypertension – Herniation Syndrome 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture • Demonstration on assessment • Demonstration on connection of body warmer 	<ul style="list-style-type: none"> • Return demonstration on monitoring of ICP & brain stem reflexes • Case presentation on various neurological disorders

Unit	Time (hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning Activity	Assignments/ Assessment Methods
			<ul style="list-style-type: none"> – Encephalopathy • Management Modalities – Craniotomy 		
IV	6 (T)	Elaborate the causes, pathophysiology, clinical types, clinical features, diagnosis, prognosis, and management: medical, surgical and nursing management of various endocrine disorders	ENDOCRINE SYSTEM <ul style="list-style-type: none"> • Hypoglycemia • Diabetic ketoacidosis • Thyroid crisis • Myxedema coma • Adrenal crisis • Syndrome of Inappropriate/ hypersecretion of Antidiuretic Hormone (SIADH) • Diabetes Insipidus 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture • Discussion on protocol on insulin infusion 	
V	15 (T)	<p>Demonstrate skill in performing trauma assessment</p> <p>Explain the mechanism of injury, clinical features, diagnosis and management: medical, surgical and nursing management of various injuries, various types of shock, SIRS, MODS, Drug Overdose, poisoning & AIDS</p>	MANAGEMENT OF OTHER EMERGENCY CONDITIONS <ul style="list-style-type: none"> • Trauma: Mechanism of injury, Assessment - Primary Survey & Secondary survey, Thoracic injuries, abdominal injuries, Bladder trauma, Pelvic fractures, Head injuries, Spinal cord injuries, & Complications of trauma • Shock: Shock syndrome, Hypovolemic shock, cardiogenic shock, Anaphylactic shock, neurogenic shock, Septic shock. • Inflammatory Response: Systemic Inflammatory Response Syndrome (SIRS), Multiple Organ Dysfunction Syndrome (MODS) • Disseminated Intravascular Coagulation (DIC) • Drug Overdose and poisoning • AIDS: Acquired Immuno-Deficiency Syndrome 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture • Discussion • Demonstration on assessment & immobilisation of cervical spine using collar 	<ul style="list-style-type: none"> • Return Demonstration on assessment such as primary survey and secondary survey
VI	20 (T) 5 (L)	Demonstrate skills in performing assessment of cardiovascular system	INTENSIVE CARDIOTHORACIC NURSING <ul style="list-style-type: none"> • Assessment & diagnostic tests: ECG, Cardiac enzymes studies, Holter monitoring, Stress test, Echocardiography, Coronary angiography, Nuclear medicine 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture • Discussion • Demonstration 	<ul style="list-style-type: none"> • Return demonstration on hemodynamic monitoring

Unit	Time (hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning Activity	Assignments/ Assessment Methods
		Describe the causes, pathophysiology, clinical types, clinical features, diagnostics, prognosis, management: medical, surgical and nursing management of cardiovascular disorders Demonstrate skill in performing Cardio Pulmonary Resuscitation & defibrillation	<p>studies, Hemodynamic monitoring includes ABP, CVP and PiCCO.</p> <ul style="list-style-type: none"> • Common Cardiovascular disorders: <ul style="list-style-type: none"> – Hypertensive Crisis – Coronary Artery Disease – Acute Myocardial Infarction Cardiomyopathy – Deep Vein Thrombosis – Valvular Diseases – Heart Block – Cardiac Arrhythmias & Conduction Disturbances – Aneurysms – Endocarditis – Heart Failure • Management Modalities <ul style="list-style-type: none"> – Cardiopulmonary Resuscitation: BCLS/ACLS – Thrombolytic Therapy – Pacemaker - Temporary & Permanent – Percutaneous Transluminal Coronary Angioplasty – Cardioversion – Intra-Aortic Balloon Pulsations – Defibrillations – Cardiac Surgeries – Coronary Artery Bypass Grafts (CABG/MICAS) – Valvular Surgeries – Heart Transplantation – Autologous Blood Transfusion – Radiofrequency Catheter Ablation 	<ul style="list-style-type: none"> • Demonstration on CPR 	<ul style="list-style-type: none"> • Interpretation of normal ECG • Interpretation of arrhythmias • Return demonstration on CPR, use of defibrillator
VII	15 (T) 5 (L)	Demonstrate skills in performing	RESPIRATORY SYSTEM • Assessment and Diagnostic tests:	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture 	<ul style="list-style-type: none"> • Return demonstration

Unit	Time (hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning Activity	Assignments/ Assessment Methods
		assessment of cardiovascular system Elaborate the causes, pathophysiology, clinical types, clinical features, prognosis, and management: medical, surgical and nursing management	Arterial Blood Gas analysis, ETCO ₂ Monitoring, Pulse oximetry, Chest X-ray, Pulmonary Angiography, Bronchoscopy, Pulmonary function Test, Ventilation perfusion scan, Lung ventilation scan. <ul style="list-style-type: none"> • Acid-base balance & imbalance • Common Pulmonary disorders <ul style="list-style-type: none"> – Status Asthmaticus – Interstitial Lung Disease – Pleural Effusion – Pulmonary Edema – Atelectasis – Pulmonary Embolism – Acute Respiratory Failure – Acute Respiratory Distress Syndrome (ARDS) – Chest Trauma – Haemothorax – Pneumothorax • Management Modalities <ul style="list-style-type: none"> – Airway Management – Ventilatory Management: Invasive, non-invasive, long term mechanical ventilations. – Bronchial Hygiene: Suctioning, Nebulization, deep breathing exercise, chest physiotherapy, postural drainage, intercoastal drainage, thoracic surgeries. 	<ul style="list-style-type: none"> • Discussion • Demonstration • Self-study • Demonstration on prone positioning • Videos on techniques of airway management • Demonstration on setting up of mechanical ventilator & bronchial hygiene 	<p>on sampling, testing and interpreting of ABG analysis, ETCO₂ monitoring & interpretation of normal & abnormal chest x-ray</p> <ul style="list-style-type: none"> • Return demonstration on airway management • Return demonstration on setting up of mechanical ventilator & bronchial hygiene
VIII	5 (T) 5 (L)	Explain the clinical types, classification, pathophysiology, clinical features, assessment, diagnosis, prognosis, and management: medical, surgical and demonstrate skill in caring for	INTEGUMENTARY SYSTEM <ul style="list-style-type: none"> • Burns • Management modalities <ul style="list-style-type: none"> – Fluid and electrolyte therapy - calculation of fluids and its administration – Wound care – Grafts and flaps 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture • Discussion • Seminar on various management modalities • Demonstration 	<ul style="list-style-type: none"> • Calculation of fluid and electrolyte requirement for patients with burns • Return demonstration

Unit	Time (hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning Activity	Assignments/ Assessment Methods
		patients with burns	– Reconstructive surgery	on burn dressing	on burn dressing
IX	10 (T) 2 (L)	Explain the causes, pathophysiology, clinical types, clinical features, diagnostic, prognosis, and management: medical, surgical and nursing management of neonatal and pediatric emergencies and congenital disorders	NEONATAL & PAEDIATRIC NURSING <ul style="list-style-type: none"> • Assessment of newborn, Low Birth Weight infant • Common Neonatal emergencies <ul style="list-style-type: none"> – Asphyxia Neonatorum – Pathological Jaundice in Neonates – Neonatal Seizures – Metabolic Disorders – Intracranial Hemorrhage – Neonatal Sepsis – RDS/HMD (Respiratory Distress Syndrome/Hyaline Membrane Disease) – Status Asthmaticus. • Congenital Disorders <ul style="list-style-type: none"> – Cyanotic Heart Disease – Tracheoesophageal Fistula – Congenital Hypertrophic Pyloric Stenosis – Imperforate Anus • Paediatric Emergencies <ul style="list-style-type: none"> – Dehydration – Acute Broncho Pneumonia – Acute Respiratory Distress Syndrome – Poisoning – Foreign Bodies • Management Modalities <ul style="list-style-type: none"> – Management of Hypothermia, Ventilator Management • Psychosocial issues of the child and family 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture • Demonstration on assessment • Group Discussion 	<ul style="list-style-type: none"> • Written report on assessment of Newborn Low Birth Weight infant
X	10 (T) 3 (L)	Elaborate the causes,	OBSTETRICAL EMERGENCIES	• Lecture	• Case

Unit	Time (hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning Activity	Assignments/ Assessment Methods
		pathophysiology, clinical types, clinical features, diagnostic, prognosis, and management: medical, surgical and nursing management of obstetrical emergencies	<ul style="list-style-type: none"> • Common Obstetrical Emergencies <ul style="list-style-type: none"> – Antepartum Haemorrhage – Preeclampsia – Eclampsia – Obstructed Labour – Ruptured Uterus – Post-Partum Haemorrhage – Puerperal Sepsis – Obstetrical Shock 	<ul style="list-style-type: none"> • Discussion 	Presentation

PRACTICUM (Skill Lab & Clinical)

Total hours: 1770 hours (40 + 1730)

(Skill Lab - 40 hours and Clinical - 1730 hours)

Practice Competencies:

At the end of the program, students will be able to:

1. Assess patients with critical care conditions
2. Assist and perform special procedures in critical care settings
3. Prepare and care for patients admitted in critically ill unit
4. Assess and manage special groups like pediatric and geriatric patients with critical care conditions/disorders
5. Care for Vascular access devices
6. Maintain and store drugs and keep daily record.

Areas	Duration (week/s)	Clinical Learning Outcomes	Skills/Procedural Competencies	Assignments	Assessment Methods
Emergency care	4	<p>Provide nursing care for patients suffering from critical conditions/ disorders</p> <p>Prepare and assist in resuscitation of patients</p>	<ul style="list-style-type: none"> • History taking • Physical assessment • Assisting in Diagnostic tests • Preparation of crash cart for emergency management • Performing basic life support • Assisting with advanced life support • Preparation of patients to shift to operating room / intensive care 	<ul style="list-style-type: none"> • Health assessment report • Case study report • Prepare an algorithm for BLS and ACLS 	<ul style="list-style-type: none"> • Clinical evaluation • Case report evaluation • Clinical presentation

Areas	Duration (week/s)	Clinical Learning Outcomes	Skills/Procedural Competencies	Assignments	Assessment Methods
		Provide effective counselling	<ul style="list-style-type: none"> units • Provide patient and family counselling 	<ul style="list-style-type: none"> • Health counselling 	
Coronary and cardiothoracic intensive care unit	6	Provide comprehensive care for patients with cardiac and respiratory critical conditions	<ul style="list-style-type: none"> • History taking and physical examination of patients with cardiac and lung disorders • Interpretation of ECG • Preparation of patients for cardiac and respiratory investigations • Providing competent care to patients with medical and surgical emergency conditions • Use of defibrillator 	<ul style="list-style-type: none"> • Cardiothoracic assessment report 	<ul style="list-style-type: none"> • Clinical evaluation • Case report evaluation • Clinical presentation
Medical intensive care unit (Respiratory, renal, gastroenterology, endocrine)	10	Provide holistic care for patients with medical intensive care conditions	<ul style="list-style-type: none"> • History taking and physical examination of patients with cardiac and lung disorders • Interpretation of ABG • Preparation of patients for diagnostic procedures • Interprets the clinical findings of the patients • Providing competent care to patients with medical and surgical emergency condition • Monitoring CVP and ABP of the patients 	<ul style="list-style-type: none"> • ABG interpretation 	<ul style="list-style-type: none"> • Clinical evaluation • Case report evaluation • Clinical presentation
Neurological intensive care unit	6	Care for patients with neurological emergency conditions	<ul style="list-style-type: none"> • History taking and physical examination of patients with neurological critical conditions • Assessment of Glasco Coma Scale • Preparation of patients for diagnostic 	<ul style="list-style-type: none"> • ABG interpretation 	<ul style="list-style-type: none"> • Clinical evaluation • Case report evaluation • Clinical presentation

Areas	Duration (week/s)	Clinical Learning Outcomes	Skills/Procedural Competencies	Assignments	Assessment Methods
			<p>procedures</p> <ul style="list-style-type: none"> • Interpretation of clinical findings of the patients • Assisting patients with neurological therapeutic procedures • Monitoring patients with neurological critical conditions 		
Surgical intensive care unit	10	Provide comprehensive care to patients with surgical critical care conditions	<ul style="list-style-type: none"> • History taking and physical examination of patients with cardiac and lung disorders • Interpretation of ABG • Preparation of patients for diagnostic procedures • Interpretation of clinical findings of the patients • Providing competent care to patients with medical and surgical emergency condition • Caring for patients on mechanical ventilation 	<ul style="list-style-type: none"> • ABG interpretation 	<ul style="list-style-type: none"> • Clinical evaluation • Case report evaluation • Clinical presentation
Paediatric intensive care units	4	Provide comprehensive care to children with critical conditions	<ul style="list-style-type: none"> • History taking and physical examination of children with critical conditions • Preparation of children for diagnostic procedures • Interpretation of the clinical findings • Providing competent care to children with critical conditions 	<ul style="list-style-type: none"> • Growth and development of children - assessment 	<ul style="list-style-type: none"> • Clinical evaluation • Case report evaluation • Clinical presentation
Burns and plastic surgery unit	2	Provide competent care to patients with burns and other critical conditions requiring plastic surgery	<ul style="list-style-type: none"> • History taking and physical examination of patients with cardiac and lung disorders • Fluid management in 	<ul style="list-style-type: none"> • Fluid resuscitation in burns 	<ul style="list-style-type: none"> • Clinical evaluation • Case report evaluation

Areas	Duration (week/s)	Clinical Learning Outcomes	Skills/Procedural Competencies	Assignments	Assessment Methods
			burns patients • Preparation of patients for diagnostic procedures • Interpretation of the clinical findings • Providing competent care to patients with burns and other critical conditions requiring plastic surgery		• Clinical presentation

APPENDIX 1

SKILL LAB REQUIREMENTS

(LIST OF EQUIPMENT FOR ICU SKILL LAB)

S.No.	Name of equipment	Qty.
General equipment		
1	Electronic ICU Cot with related attachments with mattress and bed linen (One for every 5-10 students)	1
2	Bedside trolley with basic patient care equipment & personal protective equipment	1
3	Dressing trolley/Over bed trolley	1
4	Sink with hand wash essentials and drier	1
5	IV stand	1
6	Colour-coded waste bins with lids	1
7	Wall mounted ports for oxygen, medical air and vacuum	1
8	Portable Oxygen Cylinder with Stand and oxygen flow meters	
9	Nebulizer machine with Nebulizer mask (Adult & Paediatric)	1+1
10	Oxygen mask (Adult & Paediatric)	1+1
11	Nasal cannula (Adult & Paediatric)	1+1
12	BP monitor with Stethoscope (Adult & Paediatric)	1+1
13	Glucometer	1
14	Documentation flow charts	
ICU specific equipment		
1	Cardiac/multimodal monitor (hemodynamic monitoring) with accessories including monitor stand	1
2	ECG Machine	1
3	Crash Cart	1
4	Defibrillator (Adult and Paediatric paddles)	1+1
5	Ventilator	1
6	Ambu Bag (Adult and Paediatric)	1+1
7	NIV Mask (Adult and Paediatric)	1+1
8	Pressure Bag	1
9	Bain Circuit (Adult & Paediatric)	1+1
10	Syringe Pump with stand	1
11	Infusion Pump with stand	1
12	High concentration mask (Adult & Paediatric)	1+1
13	Ear probe (saturation monitoring)*	1

S.No.	Name of equipment	Qty.
14	Esophageal temperature probe*	1
15	Bipap	1
Tray sets for various procedures		
1	Intubation Tray (Adult)	1
2	Intubation Tray(Paediatric)	1
3	Tracheostomy Tray	1
4	CVP Tray	1
5	Catheterization Tray	1
6	IV Cannulation Tray	1
7	LP Tray	1
8	Thoracentesis Tray	1
9	Paracentesis Tray	1
10	Blood Sample Collection Tray	1
11	Emergency Medications Tray	1
12	Arterial Line Tray	1
14	Suture Removal Tray	1
15	Suction Tray	1
16	ICD /chest drainage Tray	1
17	PPE Tray	1
18	Spillage Kit	1
19	Tubes, catheters, lines of different sizes	
20	Drugs, fluids, syringes, BG sets, IV sets, Arterial lines, Central lines as per skill requirements	

Mannequin (manikin)/Simulator requirements

1. Airway management trainer/simulator - adult and pediatric (adult and pediatric Intubation techniques, ET suctioning and tracheostomy care)
2. Hemodynamic monitoring simulation kit (monitoring intra-arterial blood pressure, CVP, and ICP)
3. ECG simulator
4. Adult and Pediatric CPR (BLS & ACLS modes) simulation mannequin
5. Adult and pediatric IV training arm kit, (IV line insertion, blood transfusion)
6. Arterial puncture arm simulator
7. Central venous simulator
8. Female and male catheterization mannequin
9. High fidelity simulator - clinical scenarios and management of emergency situations*

*If this is available and includes the above (1-8), individual trainer/simulator is not required. One high fidelity simulator for 5-10 students is the requirement.

APPENDIX 2

ASSESSMENT GUIDELINES (THEORY & PRACTICUM)

I. THEORY

A. INTERNAL ASSESSMENT

CRITICAL CARE SPECIALTY NURSING (Part I - Critical Care Specialty Nursing I including Foundations to Critical Care Specialty Nursing practice & Part II - Critical Care Specialty Nursing II) - TOTAL: 25 marks

- Test papers & Quiz - 10 marks
- Written assignments - 10 marks (Code of ethics relevant to critical care nursing practice, literature review on EBP in critical care nursing/ Infection control practices, Nutritional care of critically ill patients)
- Group project - 5 marks

B. EXTERNAL/FINAL EXAMS

CRITICAL CARE SPECIALTY NURSING (Part I - Critical Care Specialty Nursing I including Foundations to Critical Care Specialty Nursing practice & Part II - Critical Care Specialty Nursing II) - TOTAL: 75 marks

Part I - 35 marks (Essay type 1 × 15 marks = 15, Short answers 4 × 4 marks = 16, Very short answers 2 × 2 marks = 4) and **Part II** - 40 marks (Essay 1 × 15 marks = 15, Short answers 5 × 4 marks = 20, Very short answers 5 × 1 mark = 5)

II. PRACTICUM

A. INTERNAL ASSESSMENT - 75 marks

- OSCE - 25 marks (End of posting OSCE - 10 marks + Internal end of year OSCE - 15 marks)
- Other Practical - 50 marks
 - a) Practical assignments - 20 marks (Clinical presentation & Case study report - 5 marks, Counseling report/visit report - 5 marks, Drug study report - 5 marks, and Health talk - 5 marks)
 - b) Completion of procedural competencies and clinical requirements: 5 marks
 - c) Continuous clinical evaluation of clinical performance: 5 marks
 - d) Final Observed Practical Exam (Actual performance in clinicals) - 20 marks

B. EXTERNAL/FINAL EXAM - 150 marks

OSCE - 50 marks, Observed practical - 100 marks

Detailed guidelines given in Guidebook.

APPENDIX 3 CLINICAL LOG BOOK (Specific Procedural Competencies/Clinical Skills)

S.No.	Specific Competencies/Skills	Number Performed/ Assisted/Observed (P/A/O)	Date & Signature of the Faculty
I	FOUNDATIONS TO CRITICAL CARE SPECIALTY NURSING		
1	Preparation of patient education materials	P	
2	Patient education plan for teaching patients/relatives of critically ill patients	P	
3	Preparation of duty roster for nursing officers/staff nurses	P	
4	Writing literature review/systematic review (Identify evidence based nursing interventions/practices)	P	
5	Preparation of a manuscript for publication/paper presentation	P	
6	EBP Project (Group Project) - Implementation on evidence based nursing intervention/s OR Research Project (Group) Topic:	P	
II	CRITICAL CARE SPECIALTY NURSING		
1	HEALTH ASSESSMENT		
1.1	History taking and physical examination for adult critically ill patient	P	
1.2	History taking and physical examination for paediatric critically ill patient	P	
1.3	Neurological assessment	P	
1.4	Neonatal assessment	P	
1.5	Burns assessment	P	
1.6	Triaging	P	
2	DIAGNOSTIC PROCEDURES		
2.1	Echocardiogram	O	
2.2	Ultrasound	O	
2.3	CT scan	O	
2.4	MRI	O	
2.5	PET scan	O	
2.6	Intravenous pyelogram	O	

S.No.	Specific Competencies/Skills	Number Performed/ Assisted/Observed (P/A/O)	Date & Signature of the Faculty
2.7	EEG	O	
2.8	Bronchoscopy	O	
2.9	ECG	P	
2.10	Blood sampling for lab tests	P	
3	THERAPEUTIC PROCEDURES/SPECIALIZED PROCEDURES IN CCU		
3.1	Monitoring ICP	A	
3.2	Advanced life support	A	
3.3	Chest tube insertion	A	
3.4	Endotracheal intubation	A	
3.5	Central line - Insertion of central catheter and PICC	A/P (as per institutional protocol)	
3.6	Care of central catheter and PICC	P	
3.7	Arterial line	A	
3.8	Cardiac pacing	A	
3.9	Use of defibrillator	P	
3.10	Endoscopy	A	
3.11	Hemodialysis	A	
3.12	Peritoneal dialysis	A	
3.13	Pulse oximetry	P	
3.14	Arterial BP monitoring	P	
3.15	Venous access - Insertion of IV cannula	P	
3.16	ABG analysis	P	
3.17	Oxygen administration	P	
3.18	Endotracheal Suctioning	P	
3.19	Tracheal suctioning	P	
3.20	Application of oropharyngeal airway	P	
3.21	CPAP	P	
3.22	Tracheostomy care	P	
3.23	Care of intercostal drainage	P	
3.24	Use of monitors for critically ill patients	P	
3.25	Gastric lavage	P	
3.26	Ventilator setting	P	
3.27	Orogastric tube insertion	P	
3.28	Use of body warmer	P	
3.29	Administration of drugs	P	
3.30	Use of infusion pump	P	
3.31	Intravenous therapy	P	
3.32	Administration blood and blood products	P	
3.33	Care of patient with burns	P	
4	CARE OF CRITICALLY ILL PATIENTS		
4.1	Admission and discharge of critically ill patients	P	
4.2	Postoperative care	P	
4.3	Patient education & counselling	P	
4.4	Home care	P	
5	QUALITY CONTROL		

S.No.	Specific Competencies/Skills	Number Performed/ Assisted/Observed (P/A/O)	Date & Signature of the Faculty
5.1	Preparation of SOP for infection control in intensive care units	P	
5.2	Preparation of SOP for burns management	P	
5.3	Preparation of SOP for blood transfusion	P	
5.4	Preparation of SOP for resuscitation	P	
5.5	Conducting unit audit	P	
6	ASEPSIS		
6.1	Sterilization/Disinfection	P	
6.2	Fumigation	P	
7	OTHERS		
7.1	Consent taking	P	
7.2	Immunization	P	
7.3	Guidance & counselling	P	

* - When the student is found competent to perform the skill, the faculty will sign it.

Students: Students are expected to perform the listed skills/competencies many times until they reach level 3 competency, after which the faculty signs against each competency.

Faculty: Must ensure that the signature is given for each competency only after they reach level 3.

- Level 3 competency denotes that the student is able to perform that competency without supervision.
- Level 2 Competency denotes that the student is able to perform each competency with supervision.
- Level 1 competency denotes that the student is not able to perform that competency/skill even with supervision.

APPENDIX 4 CLINICAL REQUIREMENTS

S.No.	Clinical Requirement	Date	Signature of the Faculty/Preceptor
1	Health talk (Intensive Care Unit/Emergency Department)		
1.1	Topic:		
1.2	Topic		
2	Counselling Patients & Relatives Counselling report - 1		
3	Health Assessment		
3.1	Health Assessment (adult) - History & Physical Examination (Three written reports) 3.1.1. 3.1.2. 3.1.3.		
3.2	Health Assessment (Pediatric) - History & Physical Examination (Two written reports) 3.2.1. 3.2.2		
4	Clinical Seminar/Journal Club/ Clinical Conference Topic:		
5	Case study/Clinical presentation & Report - Adult critical care unit - 1 & Paediatric critical care unit (Nursing/interdisciplinary rounds)		
5.1	Name of clinical condition:		
5.2	Name of clinical condition:		
6	Drug study, presentation and report (Two written reports for submission)		
6.1	Drug name:		
6.2			

